दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

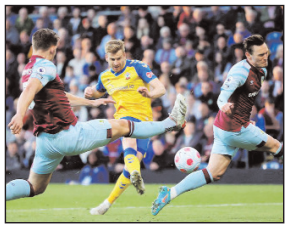

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 213

ग्वालियर, शनिवार, 23 अप्रैल, 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

वनवासियों को जंगल की मालिकी दिलवाने वाला म.प्र. देश का पहला राज्य: शाह

भोपाल। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा है कि मध्यप्रदेश, वनवासियों को वन क्षेत्र का मालिक बनाने वाला देश का पहला राज्य है। मध्यप्रदेश ने यह युग परिवर्तनकारी कार्य किया है। गत सितंबर माह में जबलपुर में जनजातीय समाज के विकास के लिए की गई महत्वपूर्ण घोषणाओं को पूर्ण करने में मध्यप्रदेश सरकार सक्रिय है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इन घोषणाओं को पूरा करते हुए अमल में लाना प्रारंभ कर दिया है। अंग्रेजों के समय से सरकार के पास जंगलों का स्वामित्व था। अब मध्यप्रदेश में कीमती सागवान लकड़ी के साथ ही अन्य वन संपदा की 20त्न राशि के मालिक वनवासी होंगे। जनजातीय समुदाय के हक में लागू की गई ये बड़ी पहल है। मध्यप्रदेश में देश की सबसे अधिक 21त्न जनजाति आबादी निवास करती है। इनके कल्याण के लिए मध्यप्रदेश सरकार ने सराहनीय कार्य किया है। केन्द्रीय मंत्री श्री शाह आज जंबूरी मैदान में वन समितियों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

केन्द्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश को बीमारू राज्य से विकसित राज्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निरंतर कार्य किया है। मध्यप्रदेश अब विकसित राज्यों में शामिल है। यहाँ सिंचाई की व्यवस्था, पर्याप्त बिजली आपूर्ति जैसे महत्वपूर्ण कार्य शिवराज जी के नेतृत्व में हुए हैं। जनजातीय क्षेत्र कल्याण के लिए मध्यप्रदेश की पहल पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि वनवासी क्षेत्र के सभी लोग अधिकार के साथ जिये, यह उनका स्वप्न है, जिसे साकार किया जा रहा है। आज बाँस और अन्य उत्पादन के लिए राशि वितरण के साथ तेंदूपत्ता

संग्राहकों को करोड़ों रुपए की राशि का भुगतान किया गया है। मध्यप्रदेश के 925 में से 827 वन ग्राम को राजस्व ग्रामों की तरह सुविधाएँ देने की शुरूआत हुई है। यहाँ परिसिमन हो सकेगा, आवास के लिए ऋण मिल सकेगा और राजस्व के सभी अधिकार वनवासियों को प्राप्त होंगे। सम्मेलन में आए प्रतिनिधि वनवासी आज स्वाभिमान के भाव के साथ वापस जाएंगे। प्रदेश में 15 हजार 600 से अधिक ग्राम सभाओं में वन समितियों के माध्यम से प्राथमिकता से कार्य किए जा सकेंगे। केन्द्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि सरकार को प्रधानमंत्री श्री मोदी समाज के वंचित और दलित वर्गों की सरकार की पहचान देने में सफल रहे हैं। इस वर्ष के अंत तक सभी को अपना घर देने का भी संकल्प है। श्री शाह ने कहा कि देश में शौचालयों का निर्माण किया गया है। उज्ज्वला के 13 करोड़ गैस कनेक्शन दिए गए है। हर घर में नल से जल पहुँचाने की पहल जल जीवन मिशन से हो रही है। वर्ष 2024 तक यह कार्य पूरा होगा। आयुष्मान योजना में 5 लाख रुपये तक के इलाज की सुविधा दी जा रही है। कोरोना काल में निःशुल्क अनाज देने की सुविधा दी गई। वैक्सीनेशन का लाभ नागरिकों को दिया गया। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश में +मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना में खाद्यान्न वितरण के साथ विशेष पिछड़ी जनजाति के परिवार की महिलाओं को 1000 रूपये का आहार अनुदान भी दिया जा रहा है। वर्ष 2021-22 में मध्यप्रदेश द्वारा 19.7 प्रतिशत विकास दर हासिल करना बड़ी बात है। मध्यप्रदेश में गत 10 वर्ष में 200त्न सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि हुई है, जो अन्य राज्यों में नहीं हुई। प्रदेश में पूँजीगत व्यय 31 हजार करोड़ रूपये से बढ़कर 40 हजार करोड़ तक हो गया है। भारत सरकार ने भी मध्यप्रदेश को 11 हजार करोड़ रूपये प्रदान किये हैं। जनजातीय वर्ग के कल्याण का बजट 4 हजार करोड़ रूपये से बढ़कर 7 हजार 524 करोड़ रूपये हो गया है। भारत सरकार ने जनजातियों के विकास के लिये पूर्व सरकार की 21 हजार करोड़ की राशि को बढ़ाकर 78 हजार करोड़ रूपये तक पहुँचा दिया है। एकलव्य विद्यालयों के लिये 14 हजार 18 करोड़ रुपये की राशि रखी गई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जनजातीय वर्ग के कल्याण के लिये विशेष कार्य किया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री श्री चौहान और उनकी टीम को बढ़ते मध्यप्रदेश और जनजातीय वर्ग के कल्याण के ऐतिहासिक कार्य के लिए साधुवाद एवं बधाई दी।

खास खबर

नवजोत सिंह सिद्धू ने चन्नी पर साधा निशाना, कहा- माफिया राज के कारण पराजित हुई कांग्रेस

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की बुरी गत के बाद भी पार्टी में आपसी मनमुटाव जारी है। लेकिन ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा है। नवजोत सिंह सिद्धू लगातार अपनी ही पार्टी की सरकार के खिलाफ हमलावर हैं। इसी कड़ी में आज उन्होंने बिना नाम लिए पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पर भी निशाना साधा। पंजाब में मिली हार के लिए सिद्धू ने साफ तौर पर राज्य में फैले माफिया राज को जिम्मेदार बताया और कहा कांग्रेस का नवीनीकरण करना होगा। अपने बयान में नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि कांग्रेस को नवीनीकरण करना होगा। डंके की चोट पर कहूंगा कि कांग्रेस 5 साल के माफिया राज की वजह से हारी। मैं इस माफिया राज के खिलाफ़ लड़ता रहा। यह लड़ाई सिस्टम के खिलाफ़ थी। कुछ लोगों का धंधा था, जो राज्य को दीमक की तरह खा रहा था। इसमें सीएम भी शामिल थे। हालांकि यह पहला मौका नहीं है, जब नवजोत सिंह सिद्धू ने चरणजीत सिंह चन्नी पर निशाना साधा है। अवैध खनन को लेकर भी सिद्धू के निशाने पर चन्नी रहे हैं।

अमेरिका में आदमी ने कुत्ते को काटने के बाद चाकू मारा

फेयरफील्ड। अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत में एक व्यक्ति द्वारा पुलिस के एक कुत्ते को कथित तौर पर काट लेने और उसे चाकू मारने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इसके बाद आरोपी व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। फेयरफील्ड शहर की पुलिस के अनुसार आरोपी व्यक्ति संभवतः नशे की हालत में था और उसने मादक पदार्थ का सेवन किया हुआ था। कॉर्ट नाम के कुत्ते को इलाज के लिए एक पशु चिकित्सा अस्पताल ले जाया गया और बाद में उसे उसके स्वामी के घर भेज दिया गया। पुलिस विभाग ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि अधिकारियों को शुरू में बुधवार दोपहर एक बुजुर्ग व्यक्ति के घर पर चोरी होने की घटना के सिलसिले में बुलाया गया था। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो बुजुर्ग ने कहा कि चोरी करने के इरादे से उनके घर में घुसे उस व्यक्ति ने उन्हें जान से मारने और उनके ट्रक को चोरी करने की धमकी दी थी। पुलिस ने आरोपी (44) को घर से बाहर आने के लिए कहा लेकिन वह बाहर नहीं आया। इसके बाद पुलिस के9 नामक खोजी कुत्ते के साथ घर में दाखिल हुई। इसी दौरान आरोपी ने कुत्ते के चेहरे पर काट लिया और उसे चाकू मार कर घायल कर दिया।

आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव- भाजपा भोजपुरी स्टार निरहुआ को उतारेगी मैदान में

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश में भाजपा की योगी सरकार पूरे एक्शन में हैं अब आजमगढ़ संसदीय सीट पर उप-चुनाव होने हैं। भारतीय जनता पार्टी ने भोजपुरी सुपरस्टार दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ को मैदान में उतारेगी। यह सीट अखिलेश यादव के आजमगढ़ की लोकसभा सीट से इस्तीफा देने के बाद रिक्त हुई थी। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आजमगढ़ में मौसम गर्म है। टिकट मिलते ही बीजेपी के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी और भोजपुरी स्टार निरहुआ ने आजमगढ़ में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। मालूम हो, विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव को जीत मिलने के बाद उन्होंने आजमगढ़ के सांसद पद से इस्तीफा दे दिया था. तबसे यह सीट खाली है। वहीं, बीते गुरुवार आजमगढ़ पहुंचे दिनेश लाल यादव ने सपाध्यक्ष पर जमकर वार किया। निरहुआ ने कहा था कि साल 2019 के अखिलेश कहते थे कि आजमगढ़ और इटावा ही उनका घर है, लेकिन अपने स्वार्थ के लिए वह आजमगढ़ तक को छोड़ सकते हैं। ऐसा ही हुआ। अखिलेश ने लालच में आकर आजमगढ़ को छोड़ दिया। भोजपुरी सुपरस्टार दिनेश लाल ने कहा कि अखिलेश वैसे भी सांसद पद पर होने के बावजूद आजमगढ़ में कुछ नहीं कर पाए।

भागलपुर और मुंगेर में कृमि मुक्ति की दवा खाने के बाद 80 से ज्यादा बच्चे बीमार

भागलपुर। भागलपुर और मुंगेर में 80 से ज्यादा बच्चे बीमार हो गए हैं। कुछ को उल्टी-दस्त हो रहे हैं तो कई बच्चे बेहोश हो गए। करीब आधा दर्जन को ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखना पड़ा। भागलपुर में तो गुस्साए परिजनों ने जमकर हंगामा किया। एएनएम को बंधक बना लिया तो शिक्षक भाग खड़े हुए। सरकार ने एक सप्ताह के भीतर सभी बच्चों को कृमि मुक्ति की दवा देने का लक्ष्य रखा है। लेकिन इन घटनाओं ने अभियान पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। भागलपुर के नाथनगर प्रखंड के मध्य विद्यालय अजमेरीपुर में एल्बेंडाजोल दवा खिलाने के बाद 30 से अधिक बच्चे बीमार हो गए। बच्चों को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल नाथनगर में भर्ती किया गया है। बच्चों के बीमार होने से आक्रोशित परिजनों ने स्कूल में जमकर हंगामा किया। ग्रामीणों ने एएनएम को बंधक बना लिया था। शिक्षक स्कूल छोड़कर भाग गए हैं।

गोरखनाथ मंदिर में धीमी हुई लाउडस्पीकर की आवाज

योगी के ट्वीट के बाद मंदिर प्रशासन ने खुद उठाया कदम

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिना अनुमति के धार्मिक जुलूस नहीं निकालने और धर्मस्थलों पर तेज आवाज में लाउडस्पीकर नहीं बजाने के निर्देश जारी ?किए थे। देश के अलग-अलग हिस्सों में त्योहार के दौरान हुई हिंसक घटनाओं के को देखते हुए योगी के इस आदेश पर गोरखनाथ मंदिर में नायाब उदाहरण प्रस्तुत किया गया है। मंदिर परिसर में लगे लाउडस्पीकर की आवाज भी धीमी कर दी गई है। गोरखपुर में नाथ संप्रदाय के सिद्धपीठ गोरक्षनाथ मंदिर परिसर, श्रीमानसरोवर मंदिर परिसर एवं श्री मंगला देवी मंदिर परिसर के लाउडस्पीकर की आवाज भी कम कर दी गई है। अब मंदिर परिसर के बाहर आवाज नहीं जाएगी। गुरुवार से ही यह व्यवस्था लागू कर दी गई है। मंदिर के मीडिया प्रभारी ने इस बात की

पुष्टि की है। इसी तरह मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि से भी लाउडस्पीकर को हटा लिया गया है। सीएम योगी ने कहा था कि सभी लोगों को अपनी धार्मिक विचारधारा के अनुसार अपनी उपासना पद्धति को मानने की स्वतंत्रता है। सीएम ने ट्वीट कर स्पष्ट कहा था कि कोई शोभायात्रा या धार्मिक जुलूस बिना पूर्व अनुमति के नहीं निकाला जाए। साथ ही उन्हीं जुलूसों की अनुमति दी जाए, जो पारंपरिक हों। शांति सौहार्द कायम रखने के संबंध में भी शपथ पत्र लिया जाए। सीएम योगी आदित्यनाथ खुद गोरखनाथ पीठ के महंत हैं। मुख्य मंदिर परिसर में लाउडस्पीकर की आवाज धीमी करने के साथ ही उन्हें सड़क, बाजार और सार्वजनिक स्थलों से भी हटा लिया गया है। मध्य प्रदेश के खरगोन, दिल्ली के जहांगीरपुरी सहित अन्य कुछ जगहों पर हुए विवाद के बाद से सरकार और प्रशासन की तरफ से कड़े फैसले लिए जा रहे हैं।

तीव्र बदलाव के इस दौर में भारत के पास स्वयं को मजबूत करने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं : राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत के पास अपनी रक्षा, शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए स्वयं को मजबूत बनाने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है, क्योंकि विश्व व्यवस्था तेजी से बदल रही है। राजनाथ सिंह ने सिंह ने डेफकनेक्ट 2.0 के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि दुनिया के अनेक घटनाक्रम भारत को प्रभावित कर रही हैं।

डेफकनेक्ट 2.0 रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए स्टार्ट-अप, बड़ी कंपनियों और सशस्त्र बलों के कर्मियों को एकसाथ लाने के लिए एक दिवसीय कार्यक्रम है। राजनाथ सिंह ने कहा कि जब हम एयरो इंडिया में 21 फरवरी 2021 को

मिले थे, तब से अब तक दुनिया इतनी बदल गई है कि इसका हिसाब नहीं लगाया जा सकता। हर नया खतरा पिछले की तुलना में अधिक जटिल और चुनौतीपूर्ण लग रहा है। उन्होंने कहा हम कोविड-19 के चलते उत्पन्न संकट से पूरी तरह उबर भी नहीं पाए थे कि दुनिया अब यूक्रेन के संघर्ष के मुद्दे का सामना कर रही है। उन्होंने कहा, समय के साथ जिस तरह से विश्व व्यवस्था बदल रही है, हमारे पास खुद को मजबूत बनाने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। रक्षामंत्री ने कहा कि इससे पहले भी दुनिया ने पश्चिम एशिया, अफगानिस्तान और पाकिस्तान में अस्थिरता देखी है। उन्होंने कहा इसके अलावा, दुनिया में बहुत सी चीजें हो रही हैं जो निश्चित रूप से भारत को प्रभावित कर रही हैं। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि हम अपनी रक्षा, शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मजबूत बनें।

उन्होंने कहा कि हमें खुद को मजबूत करने के लिए अपने कई क्षेत्रों को विकसित करने की जरूरत है। इस संबंध में 'डिसरप्टिव टेक्नोलॉजी' एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। सिंह ने रक्षा प्रौद्योगिकी मामले की उपयोगिता और विशिष्टता को समान रूप से रेखांकित किया।

दिल्ली-एनसीआर में धूल भरी आंधी के साथ हो सकती है बारिश

शनिवार और रविवार को दिल्ली का तापमान 39 से 40 डिग्री के बीच रहेगा

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को बारिश होने के आसार दिखाई दे रहे हैं। दिल्ली और आस पास के हिस्सों में मौसम गुरुवार से ही बदल गया है। थोड़ी गर्मी के बाद गुरुवार को एक बार फिर तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में शुक्रवार को धूल भरी आंधी चल सकती है। इसके साथ ही गरज के साथ दिल्ली के कई हिस्सों में बारिश हो सकती है। अनुमान के मुताबिक धूल भरी आंधी 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली समेत एनसीआर के सभी हिस्सों में यह बदलाव पहाड़ी क्षेत्रों में बदले मौसम के कारण नजर आ रहा है। पहाड़ों पर बारिश का दौर शुरू हो चुका है और आने वाले दिनों में वहां लगातार बारिश होगी और ठंडी हवाएं चलेंगी। ऐसे में पहाड़ों के आसपास के क्षेत्रों में भी इसका असर देखने को मिलेगा, जिससे तापमान में गिरावट

आएगी। आईएमडी के मुताबिक इस वीकेंड तापमान कम ही रहेगा। यानी शनिवार और रविवार को दिल्ली का तापमान 39 डिग्री से 40 डिग्री के बीच रहेगा। वहीं, मौसम विभाग के अनुसार सोमवार से एक बार फिर मौसम पलट सकता है और गर्मी का अहसास बढ़ सकता है। पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में शुक्रवार को धूल भरी आंधी या गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं। स्काईमेट के अनुसार लद्दाख और आसपास के इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है जो पूर्व दिशा में आगे बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश के पूर्वी हिस्सों पर एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। एक ट्रफ रेखा उत्तर प्रदेश के ऊपर बने हुए चक्रवाती हवाओं के क्षेत्र से बिहार, पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश होते हुए मेघालय तक फैली हुई है। एक और ट्रफ छत्तीसगढ़ से लेकर तेलंगाना के दक्षिण आंतरिक कर्नाटक तक फैली हुई है। इनका मिलाजुला असर देश के मौसम पर पड़ रहा है। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूर्वोत्तर भारत में हल्की से मध्यम बारिश के साथ बारिश हो सकती है। पश्चिमी हिमालय, केरल, कर्नाटक, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। छत्तीसगढ़, गांगेय पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, लक्षद्वीप, अंडमान और निकोबार द्वीप और झारखंड और ओडिशा के अलग-अलग हिस्सों में हल्की बारिश संभव है।

आंशिक कब्जे वाले क्षेत्र में फर्जी जनमत संग्रह करवा सकता है रूस, बोले वलोडिमिर जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन पर रूसी हमला करीब दो महीने से जारी है। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने रूस पर आरोप लगाया है कि मॉस्को आंशिक रूप से कब्जे वाले क्षेत्र में फर्जी जनमत संग्रह करवा सकता है। उन्होंने कहा है कि रूस खेरसॉन

और जापोरिजिया जैसे आंशिक कब्जे वाले क्षेत्रों में गलत तरीके से जनमत संग्रह बनाने की योजना बना रहा है। 21 अप्रैल को एक वीडियो मेसेज में जेलेंस्की ने रूसी कब्जे वाले क्षेत्र में रह रहे लोगों से रूसी सेना को पासपोर्ट नंबर सहित अन्य कोई भी व्यक्तिगत जानकारी नहीं देने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि यह आपकी मदद करने नहीं आए हैं। इनका मकसद आपकी जमीन पर तथाकथित जनमत संग्रह करना है। यही वास्तविकता है। ऐसे में सावधान रहें। मार्च की शुरुआत में कीव ने मॉस्को पर 2014 में क्रीमिया में हुए जनमत संग्रह के जैसे खेरसॉन में एक जनमत संग्रह बनाने का आरोप लगाया था। क्रीमिया में हुए अवैध वोटिंग को लेकर यूक्रेन सहित पश्चिमी देशों की सरकार ने निंदा की थी। डोनेत्स्क और लुहांस्क के रूसी समर्थकों ने भी जनमत संग्रह के जरिए आजादी की घोषणा की थी जिसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा नाजायज घोषित किया गया था। जेलेंस्की ने चेतावनी देते हुए कहा है कि कोई भी %खेरसन पीपुल्स रिपब्लिक% नहीं बनने वाला है। यदि कोई नया विलय चाहता है, तो यह केवल रूस पर नए असरदार प्रतिबंध का कारण बन सकता है।

नए लड़ाकू विमानों की जांच-पड़ताल में जुटी इंडियन नेवी

नई दिल्ली। इंडियन नेवी ने अपनी ताकत में इजाफा करने के लिए नए फाइटर जेट की तलाश शुरू कर दी हैं। इसके लिए दुनिया की नौसेनाओं में उपयोग हो रहे बेहतरीन लड़ाकू विमानों की जांच-पड़ताल का काम जोरशोर से शुरू हो गया है। इसके लिए अमेरिकी नौसेना में बड़े पैमाने पर उपयोग किए जा रहे एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमानों को भी परखा जा रहा है। एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट जेट विमानों को बनाने वाली बोइंग अपने संभावित खरीदार भारतीय नौसेना के सामने लड़ाकू विमानों की क्षमता के प्रदर्शन के लिए इस गर्मी में गोवा में दो सुपर हॉर्नेट लड़ाकू जेट भेजने की योजना बना रही है। बोइंग कंपनी अपने एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट जेट फाइटर को इंडियन नेवी की जरूरतों के हिसाब से एक बेहतरीन लड़ाकू विमान साबित करने का कोशिश में लगी है। बोइंग के इंडिया बिजनेस डेवलपमेंट के उपाध्यक्ष एलेन गार्सिया ने कहा कि इन लड़ाकू विमान को विशेष रूप से नौसेना के लिए डिजाइन किया गया है। ये भारतीय नौसेना के विमान वाहक पोत से सफलता से संचालित किया जा सकता है। भारतीय नौसेना की जरूरतों को एफ/ए-

18 सुपर हॉर्नेट जेट फाइटर कितनी कुशलता से पूरा कर सकता है, यह दिखाने के लिए ही दो विमानों को गोवा भेजा जाएगा। बोइंग कंपनी के गार्सिया ने कहा कि 2020 में किए गए सफल स्की-जंप परीक्षणों और व्यापक सिमुलेशन अध्ययनों से साबित हुआ है कि एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट जेट फाइटर इंडियन नेवी की सभी जरूरतों और मानकों पर खरे उतरते हैं। इसे मई और जून में भारत में विमानों के प्रदर्शन से फिर साबित किया जाएगा। गौरतलब है कि दुनिया की सबसे ताकतवर नौसेना मानी जाने वाली अमेरिकी नौसेना में 800 से ज्यादा सुपर हॉर्नेट और ई/ए-18 ग्रोलर्स शामिल हैं।

भारत में अनेक भाषाएं पर सबका भाव तो एक ही : मोहन भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत में अनेक भाषाएं हैं, भाषा अलग-अलग है तो क्या हुआ भाव तो एक ही है, भारतवर्ष की एकात्मता इस भाव में है। भागवत का यह बयान इसलिए भी चर्चा में क्योंकि हिंदी को लेकर बहस छिड़ी है। हाल में ही अमित शाह ने हिंदी को लेकर कुछ ऐसे बयान दिए थे जिसके बाद से कांग्रेस और दक्षिण के नेताओं की ओर से उसका विरोध किया गया था। इस सब के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने बड़ा बयान दिया है। मोहन भागवत ने साफ तौर पर कहा कि भारत में अनेक भाषाएं हैं, भाषा अलग-अलग है तो क्या हुआ भाव तो एक ही है, भारतवर्ष की एकात्मता इस भाव में है।

'इंडिया फोबिया' के एजेंडे को 'इस्लामोफोबिया' का रूप मत न दें ब्रिटिश सांसद: नकवी

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने पाकिस्तानी मूल की ब्रिटिश सांसद नाज शाह की भारत में इस्लाम के प्रति दुराग्रह को लेकर की गई टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें 'इंडिया फोबिया' के अपने पूर्वाग्रही एजेंडे को 'इस्लामोफोबिया' का रूप नहीं देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि ब्रिटिश सांसद नाज शाह ने प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के भारत दौरे का हवाला देते हुए ट्वीट किया था कि जॉनसन को भारत में 'इस्लामोफोबिया' का मुद्दा नरेंद्र मोदी सरकार के समक्ष उठाना चाहिए। नकवी ने उनके ट्वीट का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए कहा, कृपया इंडिया फोबिया के अपने पूर्वाग्रही एजेंडे को 'इस्लामोफोबिया' का रूप मत दीजिए। भारत में अल्पसंख्यकों समेत सभी भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं।

छत्तीसगढ़: भीषण सड़क दुर्घटना के बाद कार में आग लगी, 5 जिंदा जले

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में बड़ा बड़ी सड़क दुर्घटना में 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। यहां एक पुलिया से टकराने के बाद एक कार में भीषण आग लग गई, जिसमें पांच लोग जिंदा जल गए। हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हुई है। तीन बेटियों के साथ पति-पत्नी एक शादी समारोह से वापस अपने घर जा रहे थे, इसी दौरान रास्ते में वे हादसे का शिकार हो गए। मिली जानकारी के मुताबिक गुरुवार-शुक्रवार की दरम्यानी रात करीब 1 से 2 बजे के बीच हादसा हुआ है। राजनांदगांव खैरागढ़ रोड पर टेलकाडीह थानांतर्गत ग्राम सिंगारपुर में कार में आग लगने से पांच लोगों की जलकर मृत्यु हो गई है।

न्यूज ट्रैक....

अर्जुन के बाद मुकेश की यॉर्कर का शिकार बने ईशान

मुंबई । मुंबई इंडियंस ने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन एक बार फिर यार्कर का निशाना बने हैं। आईपीएल के लिए हुई नीलामी में 15.25 करोड़ की मोटी रकम में खरीदे गये ईशान का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के खिलाफ मुकाबले में वह पहली ही पेवेलियन लौट गये। सीएसके टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी ने उन्हें बोल्ड कर दिया। यह यॉर्कर गेंद थी जिसे स्विंग ने अधिक खतरनाक बना दिया। इससे पहले मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा भी इसी प्रकार की एक गेंद पर पेवेलियन लौटे थे। रोहित भी अपना खाता नहीं खोल पाए थे। मुकेश की गेंद पर सभी प्रयासों के बाद भी मुंबई इंडियंस के ईशान अपना बल्ला नीचे नहीं ला पाए और बोल्ड हो गये। इस दौरान ईशान का संतुलन भी बिगड़ गया वह पिच पर ही गिर पड़े। सीएसके से मुकाबले से पहले अर्जुन तेंदुलकर की एक ऐसे ही यार्कर पर ईशान बोल्ड हुए थे। अर्जुन ने भी ऐसी एक यॉर्कर फेंकी थी जिस पर ईशान संभल नहीं पाए थे।

शारापोवा के घर आने वाला है नया मेहमान

नई दिल्ली । दिग्गज टेनिस स्टार मारिया शारापोवा ने अपने 35वें जन्मदिन पर सोशल मीडिया के जरिये अपने गर्भवती होने का खुलासा किया है। शारापोवा ने टेनिस को अलविदा कहने के बाद अलेक्जेंडर गिल्पस से सगाई की थी। इस पूर्व वैम्पियन ने दो फ्रेंच ओपन, एक विंबलडन, एक ऑस्ट्रेलियन ओपन और एक अमेरिकी ओपन जीता है। शारापोवा साल 2005 में नंबर एक की रैंकिंग पर पहुंची थी। तब उनकी उम्र केवल 18 साल थी। इस खिलाड़ी ने साल 2004 में पहली बार विंबलडन ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था। उसके बाद उन्होंने 2006 में अमेरिकी ओपन, 2008 में ऑस्ट्रेलियन ओपन, 2012 और 2014 में फ्रेंच ओपन का खिताब भी हासिल किया था। इसके अलावा शारापोवा ने साल 2004 में टूर फाइनल्स भी अपने नाम किया था।

पीएचएल को मिला एशियाई हैंडबॉल महासंघ का साथ

नई दिल्ली । एशियाई हैंडबॉल महासंघ ने प्रीमियर हैंडबॉल लीग (पीएचएल) का समर्थन किया है। एशियाई हैंडबॉल महासंघ (एएचएफ) ने शीर्ष एशियाई खिलाड़ियों अधिकारियों और अन्य विशेषज्ञों का प्रवेश तय करके इस लीग के समर्थन और अपनी ओर से पूरा सहयोगी देने की बात कही है। पीएचएल के प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में तेहरान में एएचएफ अधिकारियों के साथ मुलाकात और लीग के प्रारुप पर चर्चा की थी जिसके बाद एशियाई महासंघ ने इसका समर्थन किया है। इसमें भारतीय प्रतिनिधिमंडल के प्रभारी भारतीय हैंडबॉल महासंघ (एचएफआई) के कार्यकारी निदेशक आनंदेश्वर पांडे भी थे। वहीं एएचएफ ने कहा कि उन्होंने हमेशा क्षेत्र में हैंडबॉल की प्रगति को प्रोत्साहित किया है। साथ ही कहा कि पीएचएल के सफल आयोजन के लिए उसका हर संभव तरीके से समर्थन किया जाएगा।

महंगे स्टार खिलाड़ियों के विफल होने से टीमों की मुश्किलें बढ़ीं

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार जिन टीम ने करोड़ों रुपये की रकम लगाकर स्टार खिलाड़ियों को बरकरार रखा था उनकी परेशानी बढ़ गयी है क्योंकि आईपीएल में इस बार महंगे खिलाड़ी विफल रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने मोहम्मद सिराज और विराट कोहली जबकि मुंबई इंडियंस ने कप्तान रोहित शर्मा के अलावा कीरोन पोलार्ड को करोड़ों रुपये में अपने पास बनाये रखा पर ये सभी अब तक अपने नाम के अनुसार नहीं खेल पाये हैं। दिल्ली कैपिटल्स के अक्षर पटेल और एनरिक नॉर्खिया के अलावा चेन्नई सुपर किंग्स की ओर मोईन अली और कप्तान रवींद्र जडेजा भी अब तक खरे नहीं उतरे हैं। ऐसे में इन खिलाड़ियों से

टीमों को जो उम्मीदें थीं वह टूटती नजर आ रही हैं।

रोहित शर्मा : मुंबई इंडियंस टीम ने 16 करोड़ रुपये में कप्तान के तौर पर बनाये रख था पर इस बार वह बल्ले से नाकाम रहे हैं। रोहित का औसत 19 का है, जो बीते 5 पांच सालों में सबसे कम है।

विराट कोहली: रॉयल चैलेंजर्स की कप्तानी छोड़ने के बाद सभी को उम्मीद थी कि विराट अब अच्छी बल्लेबाजी करेंगे पर ऐसा हुआ नहीं। कोहली को आरसीबी ने 15 करोड़ रुपये में बनाये रखा था पर वह 6 मैच में करीब 24 के औसत और 1256 के स्ट्राइक रेट से ही रन बना पाये।

रवींद्र जडेजा: चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी से पहले जडेजा को पहले खिलाड़ी के रूप में 16 करोड़ रुपये में बरकरार रखा था और कप्तान भी बनाया था पर वह असफल रहे।

मोईन अली: इंग्लैंड के इस ऑलराउंडर को टीम से जोड़े रखने के सीएसके ने फाफ डुप्लेसी जैसे खिलाड़ी को छोड़ दिया पर मोईन ने निराशाजनक प्रदर्शन किया। इस खिलाड़ी को टीम ने 8 करोड़ रुपये में बरकरार रखा था। लेकिन अब तक खेले 5 मैच में मोईन का बल्लेबाजी औसत 17 और स्ट्राइक रेट 124 का रहा है. वो गेंदबाजी में भी महंगे साबित हुए हैं और 8.50 के इकोनॉमी रेट से रन दिए और एक भी विकेट हासिल नहीं कर पाए.

मोहम्मद सिराज: आरसीबी ने विराट कोहली के साथ ही पिछले प्रदर्शन को देखते हुए तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को 7 करोड़ में बरकरार रखा था. लेकिन, इस सीजन में सिराज प्रभावी नहीं रहे।

अक्षर पटेल: दिल्ली कैपिटल्स ने इस बाएं हाथ के स्पिनर को 9 करोड़ रुपये देकर अपने साथ जोड़े रखा पर इस खिलाड़ी ने निराश किया।

अक्षर की जगह कुलदीप को प्लेयर ऑफ द मैच मिलने पर भड़के प्रशंसक

मुंबई । दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर कुलदीप यादव को एक बार फिर प्लेयर ऑफ द मैच मिलने पर प्रशंसक भड़क गये। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि पंजाब किंग्स के खिलाफ प्रभावी प्रदर्शन के लिए स्पिनर अक्षर पटेल को यह ईनाम मिलेगा। कुलदीप ने चार ओवरों में 24 विकेट रन देकर नाथन एलिस और कैगिसो रबाडा जैसे बल्लेबाजों को आउट किया जबकि अक्षर पटेल ने 10 रन देकर और ललित यादव ने 11 रन देकर दो विकेट लिए। अक्षर ने जितेश शर्मा और लियाम लिविंगस्टोन जैसे बड़े खिलाड़ियों को आउट किया था और उनका इकोनोमी औसत केवल 2.5 का रहा। ऐस में प्रशंसकों को उम्मीद थी कि अक्षर ही प्लेयर ऑफ द मैच रहेंगे पर उनकी जगह कुलदीप को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिल गया। इससे सभी हैरान हो गये। प्रशसकों ने कहा कि अक्षर को प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिलना चाहिए था। कुलदीप ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, मैं इस अवॉर्ड को अक्षर के साथ साझा करना चाहता हूं। उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की और बीच के ओवरों में महत्वपूर्ण विकेट लिए। मुझे लगता है कि वह पुरस्कार के हकदार थे।

साउथैंपटन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में भाग लेते हुए खिलाड़ी।

धोनी के मैदान में रहने तक हमारी उम्मीद कायम थी : जडेजा

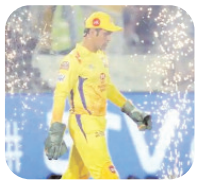

मुंबई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान रविन्द्र जडेजा ने कहा है कि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अब भी रनों के भूखे हैं। धोनी ने ही अपनी टीम को मुम्बई इंडियंस के खिलाफ अंतिम गेंद पर चौका लगाकर जीत दिलाने के साथ ही प्लेऑफ के लिए उसकी संभावनाएं बरकरार रखी हैं। सीएसके ने अब तक सात मैचों में से दो में जीत दर्ज की। जडेजा ने कहा, 'यह बहुत अच्छा है कि वह अब भी रनों और जीत के लिए भूखे हैं। उनकी लय अब भी बनी हुई है। इसे देखकर हम उत्साहित रहते हैं क्योंकि हम जानते हैं कि यदि वह आखिरी ओवर तक क्रीज पर हैं तो वह हमारे लिए मैच जीतेंगे। उन्होंने कहा, 'मैच के दौरान हम तनाव में थे पर हमें विश्वास था कि जब तक धोनी मैदान पर हैं जीत मिलेगी। उन्होंने भारत के लिए और आईपीएल में कई मैच जिताए हैं और हम जानते थे कि वह मैच का सफल अंत करेंगे।

धोनी ने अपने पुराने दिनों की तरह फिनिशर की भूमिका भी अच्छी तरह से निभाई है। चेन्नई को आखिरी ओवर में 17 रन की जरूरत थी। धोनी ने ऐसे में जयदेव उनादकट की तीसरी गेंद पर छक्का और चौथी गेंद पर चौका लगा दिया। वह शांतचित बने रहे और आखिरी गेंद पर उन्होंने शॉर्ट फाइन लेग पर विजयी चौका लगाया।

जडेजा ने तेज गेंदबाज मुकेश चौधरी की भी जमकर प्रशंसा की जिन्होंने मुंबई के शीर्ष क्रम को लड़खड़ाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, 'जब वह (चौधरी) हमारे साथ नेट गेंदबाज था तब हमने देखा कि वह अच्छी गेंदबाजी कर रहा हूं और गेंद को स्विंग करा रहा है। नई गेंद को स्विंग कराने का उसका कौशल अच्छा है और इसलिए हमने उसको टीम में बनाये रखा।

आज राजस्थान रॉयल्स ओर दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला

मुंबई । आईपीएल के 15 वें सत्र में शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से होगा। इस मैच के रोमांचक होने की पूरी संभावनाएं हैं । राजस्थान ने जहां अब तक छह मैचों में चार जीत के साथ ही आठ अंक हासिल किये हैं और वह तीसरे स्थान पर है। वहीं दिल्ली ने छह मैचों में तीन जीत के साथ ही छह अंक बनाये हैं और वह छठे स्थान पर है। इस मैच में राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल और दिल्ली कैपिटल्स के कुलदीप यादव में भी टक्कर होगी , अब देखना होगा कि कौन कितना अंकुश लगा पाता है। रायल्स के पास बल्लेबाजी में जोस बटलर जैसा बल्लेबाज है। बटलर ने अभी तक आईपीएल में सबसे ज्यादा 375 रन बनाये हैं और उन्हें रोकना कैपिटल्स के गेंदबाजों के लिए चुनौती होगी। रॉयल्स के लिए चिन्ता का कारण केवल बल्लेबाजी है। शिमरोन हेटमायेर को छोड़कर मध्यक्रम में अब तक उसके अन्य बल्लेबाज नाकाम रहे हैं। वहीं दिल्ली की टीम ने कोरोना संक्रमण के कारण मिचेल मार्श के बाहर होने के बाद भी जिस प्रकार किंग्स का मुकाबला कर जीत दर्ज की है उससे टीम का मनोबल बढ़ा है। कैपिटल्स के कुलदीप अभी तक सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। ऐसे में उनका सामना करना बटलर के के लिए आसान नहीं रहेगा। कुलदीप के अलावा कैपिटल्स के पास कुलदीप, अक्षर पटेल और ललित यादव जैसे अन्य गेंदबाज भी हैं।राजस्थान के चहल का लक्ष्य कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को शुरुआत में ही पेवेलियन भेजना रहेगा। इसके अलावा पृथ्वी शॉ और कप्तान ऋषभ पंत पर भी अंकुश लगाना रहेगा।

दिल्ली के पास मुस्तफिजूर रहमान और खलील अहमद के रूप में भी अच्छे तेज गेंदबाज हैं जो राजस्थान के बल्लेबाज रियान पराग और संजू सैमसन को मुश्किल में डाल सकते हैं। गेंदबाजी की बात करें तो रॉयल्स के पास डैथ ओवरों के लिए ओबेद मैकॉय जैसा बेहतरीन गेंदबाज है। इससे दिल्ली के बल्लेबाजों के लिए तेजी से रन बनाना आसान नहीं रहेगा।

व्यापार न्यूज

सोना महंगा, चांदी का भाव टूटा

नई दिल्ली । वदेशी बाजार में कीमती धातुओं में दबाव की वजह से घरेलू सराफा बाजार में सोने की कीमत में मामूली बढ़त और चांदी के भाव में कमजोरी देखी जा रही है। बीते तीन दिनों की लगातार गिरावट के बाद शुक्रवार को सोने की कीमत में उछाल दर्ज किया गया, वहीं चांदी की कीमत आज भी कम हुई। सराह के चौथे कारोबारी दिन शुक्रवार को एमसीएक्स पर सोने की कीमत 0.15 फीसदी की बढ़त लेते हुए 52,494 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गई, जबकि चांदी के दाम में 0.11 फीसदी की कमी आई और इसकी कीमत गिरकर 67,850 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई। गौरतलब है ?कि आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है। कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं। आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉलमार्क बना होता है।24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक आप सिर्फ 8955664433 नंबर पर मिस्ड कॉल देकर प्राइस चेक कर सकते हैं। आप जिस नंबर से मैसेज करते हैं उसी नंबर पर आपके मैसेज आ जाएगा। इस तरह आप घर बैठे सोने के वर्तमार कीमत जान सकते हैं।

प्योर ईवी अपने 2000 वाहनों को वापस लेगी

हैदराबाद । इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाने वाली कंपनी प्योर ईवी ने एक इलेक्ट्रिक स्कूटर की बैटरी में कथित रूप से विस्फोट पर खेद व्यक्त किया। इस विस्फोट में निजामाबाद के एक 80 वर्षीय व्यक्ति की जान चली गई थी। इसके साथ ही कंपनी ने 2,000 वाहनों को वापस लेने का फैसला किया है। कंपनी ने पीड़ित के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि वह संबंधित उपयोगकर्ता और अधिकारियों से अधिक विवरण पाने की कोशिश कर रही है। प्योर ईवी ने कहा कि मीडिया में उपयोगकर्ता का जो ब्यौरा दिया गया है, उसका रिकॉर्ड उनके ग्राहक डेटाबेस में नहीं है। घटना बुधवार रात की है जब बैटरी चार्ज हो रही थी। रामास्वामी नाम के एक व्यक्ति की जलने से मौत हो गई। पिता को बचाने की कोशिश में उनके बेटे प्रकाश, पत्नी कमलम्मा और बहू कृष्णवेनी जख्मी हो गई हैं। प्रकाश कथित तौर पर एक साल से ईवी स्कूटर का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस ने स्कूटर निर्माता प्योर ईवी के खिलाफ लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया है। बिजली के दोषपिया वाहनों में आग लगने की बढ़ती घटनाओं के बीच केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि मामले की जांच के लिए गठित विशेषज्ञ पैनल की रिपोर्ट मिलने के बाद केंद्र सरकार मानकों में चूक करने वाली कंपनियों पर आवश्यक आदेश जारी करेगी।

बैंकों का कर्ज 10.09 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई । बैंकों का कर्ज 8 अप्रैल को समाप्त पखवा? में 10.09 प्रतिशत ब?कर 119.88 लाख करो? रुपए पर पहुंच गया। इस दौरान बैंकों की जमा 10.06 प्रतिशत बढ़कर 167.42 लाख रही। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। भारतीय रि?र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी ?किए गए आंक?ों में बताया गया है कि 9 अप्रैल, 2021 को समाप्त पखवा? में बैंकों का ऋण 108.88 लाख करो? रुपए और जमा 152.11 करो? रुपए था।

सेंसेक्स 667 और निफ्टी 196 अंक फिसला

मुंबई । वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और एचडीएफसी बैंक और टीसीएस जैसे बड़े शेयरों के नुकसान में जाने से शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स करीब 667 अंक टूट गया। बाजार ??विशेषज्ञों का कहना है ?कि विदेशी पूंजी की निकासी लगातार जारी है जिससे निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। शुक्रवार के शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 666.85 अंक गिरकर 57,244.83 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 196.55 अंक गिरकर 17,196.05 पर आ गया। सेंसेक्स में एमएंड एम, डॉ. रेड्डीज, नेस्ले, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारतीय स्टेट बैंक और मारुति सुजुकी गिरने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। दूसरी ओर एचसीएल टेक्नोलॉजीज, भारती एयरटेल, पॉवर ग्रिड और टाटा स्टील हरे निशान में थे। पिछले कारोबारी सत्र में गुरुवार को तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 874.18 अंक उछलकर 57,911.68 अंक पर बंद हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 256.05 अंक की बढ़त के साथ 17,392.60 अंक पर बंद हुआ था। एशियाई बाजारों में सियोल, शंघाई, हांगकांग और तोक्यो मध्य सत्र के सौदों के दौरान गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गुरुवार को 713.69 करोड़ रुपए के शेयर बेचे।

डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे टूटा

मुंबई । विदेशी बाजार में अमेरिकी डॉलर की मजबूती और घरेलू शेयर बाजारों में सुस्ती के रुख ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया और इस कारण रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 14 पैसे टूटकर 76.31 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती सौदों में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 76.31 पर कमजोर खुला, जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की गिरावट दर्शाता है। गुरुवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 13 पैसे चढ़कर 76.17 प्रति डॉलर पर पहुंच गया था। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत बढ़कर 100.65 पर आ गया।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें 16वें दिन भी नहीं बदलीं

नई दिल्ली । देश में तेल विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को 16वें दिन भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं ?किया है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपए प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 104.77 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 110.85 रुपए और डीजल की कीमत 100.94 रुपए है। कोलकाता में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमशः 115.12 रुपए प्रति लीटर और 99.83 रुपए प्रति लीटर है। यूक्रेन में चल रहे रूस के सैन्य अभियान के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। लंदन ब्रेंट क्रूड शुक्रवार को 1.08 प्रतिशत गिरकर 107.16 डालर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 1.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 102.56 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार लगातार 16वां दिन है, जब कीमतें अपरिवर्तित रही हैं। इससे पहले एक अप्रैल को कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया था।

ग्राहकों की मंजूरी के बिना क्रेडिट कार्ड जारी नहीं करे:रिजर्व बैंक

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को ग्राहकों की मंजूरी के बिना क्रेडिट कार्ड जारी करने या मौजूदा कार्ड की सीमा बढ़ाने अथवा अन्य सुविधाएं शुरू करने से मना किया है। इसका पालन नहीं करने पर संबंधित कंपनियों को बिल की राशि का दोगुना देना होगा। केंद्रीय बैंक ने कार्ड जारीकर्ता इकाइयों या एजेंट के रूप में काम करने वाले तीसरे पक्ष से ग्राहकों से बकाए की वसूली को लेकर डराने-धमकाने से भी मना किया है। क्रेडिट कार्ड को लेकर आरबीआई ने कहा ?कि बिना ग्राहक की मंजूरी के कार्ड जारी करना या उसकी सीमा बढ़ाने अथवा अन्य सुविधाएं देना मना है। यह दिशानिर्देश एक जुलाई, 2022 से लागू होगा। शीर्ष बैंक ने कहा कि अगर ग्राहकों की मंजूरी के बिना कार्ड जारी किया जाता है या मौजूदा कार्ड को उन्नत बनाया जाता है, कार्ड जारी करने वालों को लिए गए शुल्क को वापस करना होगा और जुर्माना देना होगा। यह जुर्माना बिल राशि का दोगुना होगा। मास्टर% दिशानिर्देश के अनुसार 100 करोड़ रुपए के नेटवर्थ वाले वाणिज्यिक बैंक स्वतंत्र रूप से क्रेडिट कार्ड कारोबार शुरू कर सकते हैं या कार्ड जारी करने वाले बैंकों या गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के साथ गठजोड़ कर यह काम कर सकते हैं।

भारतीय बाजार में नई मारुति सुजुकी अर्टिगा लॉन्च

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी ने अपनी नई मारुति सुजुकी अर्टिगा को लॉन्च किया है। नई अर्टिगा के 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन में सबसे नया जेनरेशन दिया गया है, जो डयूलजेट और डयूलवीवीटी के साथ आता है। हालांकि, के15सी इंजन में अभी भी माइल्ड-हाइब्रिड टेक मिलता है, लेकिन पावर आउटपुट कम करके 103पीएस और 137एनएम कर दिया गया है। इसमें सीएनजी ऑप्शन भी मिलेगा। नई अर्टिगा में अब ग्राहकों को 4-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन की जगह 6-स्पीड टॉर्क कनवर्टर मिलेगा। इसके स्टीयरिंग व्हील के पीछे अब पैडल शिफ्टर मिलेगा। यह फीचर किसी भी मारुति के मॉडल में पहली बार दिया गया है। किआ केरेंस से मुकाबले के लिए इसके ऑटोमैटिक ऑप्शन को अपडेट किया गया है। ग्राहकों को इसके स्टैंडर्ड में 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन पहले की तरह ही मिलेगा।अर्टिगा फेसलिफ्ट में अब ग्राहकों को दो नए वैरिएंट्स मिलेंगे। इसके ज़ेडएक्सआई प्लस ट्रिम में ऑटोमैटिक का ऑप्शन मिलेगा। वहीं, ज़ेडएक्सआई ट्रिम में सीएनजी का ऑप्शन मिलेगा। बता दें कि पहले सीएनजी का विकल्प केवल वीएक्सआई ट्रिम में मिलता है। पुरानी अर्टिगा के मुकाबले नई अर्टिगा में ज्यादा माइलेज मिलता है। नई अर्टिगा के मैनुअल ट्रांसमिशन में 20.51 केएमपीएल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में 20.3 केएमपीएल का माइलेज मिल रहा है। जबकि, पुरानी अर्टिगा के मैनुअल ट्रांसमिशन में 19.01 केएमपीएल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में 17.99 केएमपीएल का माइलेज मिलता था। मारुति सुजुकी लगातार अपने लाइनअप में एयरबैग्स को बढ़ा रही है। यही कारण है कि कंपनी ने अपनी 2022 अर्टिगा में 4 एयरबैग्स (डुअल फ्रंट और साइड) दिए हैं। इसमें हिल होल्ड असिस्ट और इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल भी मिलेगा। स्टैंडर्ड सेफ्टी किट की बात करें तो इसमें पहले जैसा ही डुअल फ्रंट एयरबैग्स, रियर पार्किंग सेंसर्स, एबीएस और दूसरी रो की सीट्स में आईएसओएफआईएक्स दिया गया है। नई मारुति अर्टिगा में अब ग्राहकों को करूज कंट्रोल, ऑटोमैटिक हेडलैंप्स, ड्राइवर साइड ऑटो विंडो अप के साथ एंटी-पिंच, की फॉब के जरिए कंट्रोल होने वाले ओआरवीएमएस मिलेंगे।

तंबाकू ब्रांड का विज्ञापन कर फंसे अभिनेता अक्षय कुमार

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने तंबाकू ब्रांड का एड कर खुद के लिए मुसीबत ही मोल ले ली है। तभी विज्ञापन के आने के बाद वे जमकर ट्रोल हुए फिर उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना माफीनामा शेयर किया। इसमें उन्होंने विज्ञापन करने के लिए फैंस से माफी मांगी। लेकिन अब हद ये हो गई कि यूजर्स खिलाड़ी कुमार को उनके माफीनामे को लेकर भी ट्रोल कर रहे हैं। दरअसल सोशल मीडिया पर खिलाड़ी कुमार का माफीनामा वायरल हो रहा है। कई लोग इसपर चुटकी लेते हुए दिख रहे हैं। लोग कह रहे हैं, आखिरी बार बोल दो जुबां केसरी। तब कई लोगों ने अक्षय कुमार के एंडोर्समेंट फीस वापस ना करने पर सवाल उठाए। अक्षय कुमार ने अपने माफीनामे में बताया कि वहां विमल इलायची एड के लिए मिली फीस को नेक कामों में लगाएंगे। मतलब फीस दान करने वाले हैं, ये भी कहा कि ब्रांड कॉन्ट्रैक्ट की लीगल अवधि खत्म होने तक एड को ऑनएयर रख सकते हैं। खिलाड़ी कुमार के ये दो बयान लोगों को खटक रहे हैं। अक्षय ने अपने माफीनामे में लिखा, मेरे सभी फैंस और शुभचिंतकों से मैं आप सभी से माफी मांगना चाहता हूं। पिछले कुछ दिनों में आए आपके रिएक्शंस ने मुझे बहुत ज्यादा प्रभावित किया है। मैंने कभी तंबाकू को एंडोर्स नहीं किया है ना ही कभी करूंगा। विमल इलायची के साथ मेरे एसोसिएशन को लेकर सामने आई आपकी भावनाओं की मैं इज्जत करता हूं। इसलिए मैं पूरी विनम्रता के साथ इससे पीछे हटता हूं। मैंने फैसला किया है कि मैं विज्ञापन के लिए मिली फीस को अच्छे कार्य के लिए काम में लाऊंगा।

अगर कोई भविष्य है तो यह हरा होगाः क्रिस्टल डिसूजा

अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा ने अपने नए इंस्टाग्राम पोस्ट में कोविड-19 के कारण फैली तमाम निराशाओं के बीच पर्यावरण के अनुकूल आशावाद को फैलाया। अगर कोई भविष्य है तो यह हरा होगा, उन्होंने हरे दिल वाले इमोजी के साथ लिखा, एक छवि है जिसमें वह हरियाली के बीच एक गाउन जिसे वह स्टाइलिश रूप से डेनिम शॉर्ट्स के ऊपर पहनी है। अभिनेत्री को हाल ही में भरत गोयल के गाने एक बेवफा से रीक्रिएट्ड वर्जन में देखा गया था। यह नंबर मूल रूप से सोनू निगम द्वारा 2005 में अक्षय कुमार-करीना कपूर की फिल्म बेवफा में गाया गया था। रीक्रिएटेड गाने के म्यूजिक वीडियो में वह सिद्धार्थ गुप्ता और अक्षय खरोदिया के साथ नजर आ रही हैं। क्रिस्टल डिसूजा भारतीय टीवी सीरियल में अभिनय करने वाली मशहूर अभिनेत्री हैं। उन्होंने 2011 में आए सीरियल एक हजारो में मेरी बेहना है में जीविका का किरदार दर्शाया था। ... उन्हें हालही में कलर्स टीवी के सीरियल बेलन वाली बहू में रूपा के किरदार को भी अभिनय करते हुए देखा गया था। इसके बाद उन्होंने एक नई कहानी में साक्षी का किरदार निभाया। साल 2016 में, उन्होंने ज़ी टीवी के ब्रह्मराक्षस में रैना का किरदार निभाया। क्रिस्टेल डी सूज़ा छोटे पर्दे की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक हैं। क्रिस्टेल फिल्म चेहरें के साथ अपना बॉलीवुड में डेब्यू किया जिसमें वें इमरान हाशमी और अमिताभ बच्चन के साथ नजर आई।

सनी हिंदुजा ने मनोज बाजपेयी से मिली सबसे अच्छी सलाह को किया याद

अभिनेता सनी हिंदुजा ने मनोज बाजपेयी अभिनीत वेब सीरीज द फैमिली मैन के दूसरे सीजन में वापसी की हैं, और वह याद करते हैं कि कैसे अनुभवी अभिनेता ने उन्हें फ्लो के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया था। सनी ने बताया कि शो की शूटिंग के दौरान, हम समय बिताते हैं और बहुत सारी बातचीत होती है। वह एक बड़े भाई और एक संरक्षक की तरह है, और जब वह अपने शुरुआती दिनों में संघर्ष की अपनी याद साझा करते है, तो ऐसी घटनाओं को सुनकर सभी को प्रेरणा मिलती है। जब संघर्ष बहुत अधिक हो तो आशान्वित रहना कठिन है, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। मुझे लगता है कि ये बाते हमेशा मुझे प्रेरणा देंगी। द फैमिली मैन सीजन दो में बाजपेयी के साथ शारिब हाशमी, प्रियामणि, शरद केलकर और श्रेया धनवंतरी भी नजर आएंगी। राज और डीके द्वारा निर्देशित सीरीज में दक्षिण की स्टार सामंथा अक्किनेनी एक नकारात्मक भूमिका में वेब डेब्यू करेंगी। द फैमिली मैन का दूसरा सीजन 4 जून को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगा।

रवि दुबे इंजीनियर बनने के लिए आए थे मुंबई

रवि दुबे एक ऐसे अभिनेता हैं, जिन्होंने हमेशा अपनी हर भूमिका में शानदार अभिनय करके दिखाया है. रवि दुबे के करियर की उपलब्धियां सराहनीय हैं. इसमें कोई शक नहीं कि उन्होंने इस इंडस्ट्री में अपना नाम बनाने के लिए काफी मेहनत की है. किसी को यह प्रसिद्धि भले ही आसान लगे, लेकिन इस यात्रा की सफलता के पीछे असली खून-पसीना और उनकी कड़ी मेहनत सब है. हाल ही में रवि ने मुंबई में अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए यह शेयर किया था- मैं गुड़गांव से ताल्लुक रखता हूं, जहां एक अभिनेता होने का विचार एक बहुत दूर का विचार हुआ करता था. इसलिए हर किसी की तरह मैं भी अपने लिए एक अन्य करियर की तरफ देख रहा था, जो मैं बन सकता था.

एक्टर ने आगे बताया- तभी मेरे पिताजी ने सुझाव दिया कि मुझे जीवन में प्लान बी के साथ एक इंजीनियर बनना चाहिए. हालांकि, मेरे पिता पूरे दिलों- दिमाग से हमेशा से जानते थे कि मैं इस रचनात्मक दुनिया में अपना स्थान बना लूंगा और इसलिए मैंने इंजीनियरिंग करने के लिए मुंबई को चुना और किसी अन्य शहर को नहीं चुना था. उनकी जो भी दूरदर्शिता थी, वह वास्तव में सच हो गई और मैंने कॉलेज के अपने तीसरे वर्ष में बहुत सारे विज्ञापन करना शुरू कर दिया।

गंदा मास्क दे सकता है कई बीमारियां

एक्सपर्ट के अनुसार मास्क की सफाई और उसे बदलने को लेकर लोगों में जागरूकता का अभाव है। कई लोग लंबे समय तक एक ही मास्क का उपयोग करते हैं, तो कुछ लोग मास्क की सफाई तक नहीं करते है। विशेषज्ञों के अनुसार मास्क पहनने से ज्यादा जरूरी है साफ मास्क पहनना। गंदा मास्क आपको कोरोना से बचाने की बजाय आपको कई अन्य बीमारियों की जद में ले जाएगा।

इन दिनों काफी लोग ऐसे हैं] जो डिस्पोजेबल मास्क को भी दो से पांच दिन तक इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं कपड़े के मास्क को नहीं बदलना, 10 से 15 दिनों के अंतराल पर धोने से भी यह समस्याएं बढ़ रही है। साथ ही एक ही मास्क बहुत अधिक लंबे समय तक इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। गंदे मास्क से गले में दर्द, पेट संबंधी बीमारियां, गले में खिचखिच, अपच और सांस संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं। साफ मास्क सांसों को बाहर निकालते हैं और उससे हवा भी अंदर आती हैं, लेकिन मास्क को लंबे समय तक इस्तेमाल करने और न धोने की वजह से मास्क के छिद्र गंदगी से भर जाते हैं और इस तरह के मास्क शरीर के ऑक्सिजन स्तर में कमी ला सकते हैं। आपको घुटन की समस्या अधिक हो सकती है। यदि मास्क पहनने से गले में समस्या आ रही है तो समझ जाइए कि मास्क साफ नहीं है। वह कीटाणुओं से भर गया है। यह कीटाणु ही आपके गले में परेशानी कर रहे हैं। मास्क पहनने से खांसी की समस्या नहीं होती है, लेकिन गंदा मास्क पहनने से गले की समस्या हो सकती है। खांसी से बचना है तो अपने मास्क की सफाई का विशेष ध्यान रखें। मास्क को सादे पानी में धोना काफी नहीं है। मास्क को धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करें। 5 से 10 मिनट के लिए उसे पानी में डुबोकर रख दें। इसके बाद साबुन से धोएं। 4 से 5 घंटे तक तेज धूप में सूखने दें। यदि घर में धूप नहीं आती है तो मास्क को गर्म पानी से धोने के बाद 15 मिनट डिटॉल में भिगोकर रख दें और फिर सुखाएं। गीले मास्क का उपयोग न करें, इससे कीटाणु पनप सकते हैं। मास्क के सूखने के बाद इसे 3-4 मिनट तक प्रेस करें। मास्क को बार बार हाथ लगाने से बचें। हर इस्तेमाल के बाद मास्क को धोना जरूरी है।ब्लैक फंगस की एक वजह गंदा और बिना धुला मास्क है। हालांकि इसकी मुख्य वजह अब भी स्टेरॉइड का अनुचित इस्तेमाल ही है।

'वर्साचे बेबी' गाने में उर्वशी रौतेला ने पहने बोल्ड आउटफिट्स

बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला इन दिनों अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं. जहां हाल ही में उन्होंने अपना नया म्यूजिक वीडियो गुरु रंधावा के साथ रिलीज किया है. एक्ट्रेस के इस गाने के नाम 'डूब गए' है. जिसके बाद अब वो अपने नए गाने को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. एक्ट्रेस के इस नए गाने का नाम 'वर्साचे बेबी' है. इस गाने ने सोशल मीडिया पर धूम मचा रखी है. जहां वो इस गाने में इंजिप्ट एक्टर और सिंगर मोहमद रमादान के साथ ठुमके नजर आ रही हैं. वहीं ये गाना सोशल मीडिया पर नंबर 1 पर ट्रेंड कर रहा है. एक्ट्रेस का ये गाना उनके जीवन का सबसे

महंगा म्यूजिक वीडियो है. जहां इस गाने में उनकी एक-एक ड्रेस करोड़ो रुपये की है. आपको बता दें, वर्साचे बेबी के रिलीज से पहले एक्ट्रेस इस गाने को लेकर बेहद उत्साहित थीं, जहां उन्होंने इस गाने की कई झलक को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर किया था. वहीं इस गाने में एक्ट्रेस के आउटफिट्स को दोनतीला वर्साचे ने खुद एक्ट्रेस के लिए डिजाइन किया है. गाने में एक्ट्रेस ने जो ड्रेसस पहनी है उसकी कीमत 15 करोड़ बताई जा रही है. वहीं कहा जा है कि एक्ट्रेस अपने इस गाने की तैयारी पिछले 1 साल से कर रही थीं. जहां लॉकडाउन के चलते इस गाने की शूटिंग में बहुत दिक्कत आ रही थी. लेकिन हाल ही में ये गाना ईद के दिन रिलीज हुआ है. जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

एक अभिनेता अकेले हिट और मिस का फैसला नहीं करताः अर्जुन कपूर

अभिनेता अर्जुन कपूर इस बात से सहमत हैं कि बॉलीवुड में एक अभिनेता का करियर हिट और मिस से परिभाषित होता है, क्योंकि यह फिल्मों के व्यवसाय के माध्यम से स्टार की योग्यता का आकलन करने में मदद करता है। हालांकि, वह कहते है कि केवल एक अभिनेता ही उतार-चढ़ाव के लिए जिम्मेदार नहीं होता है। अर्जुन ने बताया, जब आप किसी अभिनेता की योग्यता को देख रहे होते हैं तो आपको यह आकलन करना होता है कि उसकी फिल्म के व्यवसाय ने कैसा प्रदर्शन किया है। साथ ही, मुझे लगता है कि अगर आप एक अच्छे अभिनेता हैं, तो आप अपने प्रदर्शन से अधिक परिभाषित होते हैं। उन्होंने आगे कहा कभी-कभी आप बहुत अच्छे अभिनेता होते हैं लेकिन आप गलत चुनाव कर लेते हैं। आप सही अभिनेता हो सकते हैं जो लोगों को आकर्षित करता है लेकिन वे इस समय जो काम कर रहे हैं उससे निराश हैं क्योंकि एक अभिनेता अकेले हिट और मिस का फैसला नहीं कर रहा है। अर्जुन का कहना है कि ऐसे कई तत्व हैं जो एक अभिनेता के पक्ष में काम कर भी सकते हैं और नहीं भी। उन्होंने कहा, अभिनेताओं को कभी-कभी उनके निर्देशक द्वारा निराश किया जाता है। कभी-कभी स्क्रिप्ट उस तरह से आगे नहीं बढ़ पाती है जिसकी कल्पना की गई थी ।

पायल घोष ने अशोक त्यागी निर्देशित रेड के लिए सीखी उर्दू

अभिनेत्री पायल घोष अपनी आगामी फिल्म रेड के लिए उर्दू में सुधार कर रही हैं और निर्देशक अशोक त्यागी उनकी मदद कर रहे हैं। पायल ने कहा, उर्दू एक ऐसी चीज है जो बहुत ही आकर्षक है। मुझे इसके बारे में थोड़ा ज्ञान था लेकिन बोली का पता नहीं था। मेरे निर्देशक अशोक त्यागी सर का इस पर बहुत अच्छा हाथ है और वह धैर्यपूर्वक मुझे उर्दू सिखाने के लिए मेरे साथ बैठे। यह एक अच्छी सीख है। पायल ने कहा कि वह अपनी भूमिका के साथ न्याय करेंगी। उन्होंने कहा, इसलिए मैं वास्तव में इस पर कड़ी मेहनत कर रही हूं। हम फिल्म की शूटिंग के लिए स्थिति के सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद है कि चीजें जल्द ही ठीक हो जाएंगी। आइए सभी सुरक्षित रहें और प्रोटोकॉल का पालन करें। चीजें जल्द ही सामान्य हो जाएंगी। रेड में शक्ति कपूर और कृष्णा अभिषेक भी हैं। इन्होने हिन्दी, बंगाली और तेलुगू भाषा की फ़िल्मों में कार्य किया है। इन्होने अपने अभिनय की शुरुआत एक बंगाली फिल्म से की थी। जिसमें उन्होने एक स्वतंत्रता सेनानी की बेटी का किरदार निभाया था। इसके पश्चात उनके परिवार को उनका फिल्मों में आना अच्छा नहीं लगा और इस कारण वह कलकत्ता से मुंबई आ गई और उन्हे चन्द्र शेखर येलेटी ने प्रयनम नामक फ़िल्म में उन्हे मुख्य किरदार की भूमिका में जगह दिया। इसके पश्चात कई और फिल्मों के पश्चात बॉलीवुड फ़िल्म फ्रीडम में 2012 को उन्हे लिया गया[6] और इसके पश्चात वह पटेल की पंजाबी शादी में भी कार्य किया।

समस्याओं को दूर कर त्वचा को निखारने में सहायक हैं आड़ू के ये फेस पैक

आड़ू अपने पोषक गुणों के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है और इसका सेवन शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी होता है। यही नहीं, इसका इस्तेमाल चेहरे को स्वस्थ रखने और निखारने के लिए भी किया जा सकता है। जी हां, ऐसा संभव है और इसलिए आज हम आपको आड़ू से बनने वाले ऐसे फेस पैक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका अगर हफ्ते में कम से कम दो दिन इस्तेमाल किया जाए तो चेहरा एकदम स्वस्थ रहेगा।

आड़ू, नींबू के रस और शहद का फेस पैकः फेस पैक बनाने और लगाने का तरीकाः सबसे पहले एक आड़ू को ब्लेंड कर लें। अब इसे कटोरी में एक चम्मच नींबू के रस और एक चम्मच शहद के साथ मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर 15 मिनट बाद इसे ठंडे पानी से धो लें। अंत में चेहरे को तौलिये से टैप-टैप करके सुखा लें।

फायदाः मुंहासे और ब्लैकहेड्स रहित चेहरा पाने के लिए इस फेस पैक का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद हो सकता है। आड़ू, ओट्स, अंडे और शहद का फेस पैकः फेस पैक बनाने और लगाने का तरीकाः सबसे पहले आधा आड़ू और एक चम्मच ओट्स को अच्छे से ब्लेंड करके एक कटोरी में निकाल लें। अब इस मिश्रण में एक चम्मच शहद और अंडे का पीला भाग मिलाएं। इसके बाद इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर 15 मिनट के बाद इसे ठंडे पानी से धो लें। फायदाः यह फेस पैक त्वचा के रूखेपन को दूर करके मॉइस्चराइज और हाइड्रेट करने में मदद कर सकता है। आड़ू और शहद का फेस पैकः फेस पैक बनाने और लगाने का तरीकाः एक कटोरी में दो चम्मच आड़ू के गूदे का पेस्ट और एक चम्मच चम्मच शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण को हल्के हाथों से अपने चेहरे पर लगाएं और जब फेस पैक अच्छे से सूख जाए तो चेहरे को ठंडे पानी से धोकर तौलिये से सुखा लें। अंत में चेहरे पर मॉइस्चराइजर लगा लें। फायदाः इस फेस पैक के इस्तेमाल से चेहरे पर निखार आता है।

बॉलीवुड के बाद हॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही जैकलीन फर्नांडिस

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस आने वाले दिनों में एक के बाद एक कई फिल्मों में नजर आने वाली है। जिसकी शूटिंग अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस काफी समय से कर रही हैं। हालांकि अब अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस के चाहने वालों

के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। जिसे सुनने के बाद उनके फैंस की खुशी का ठिकाना ही नहीं रहेगा। जी हां बता दें कि बॉलीवुड में अपनी एक खास जगह बनाने के बाद आप जैकलीन फर्नांडिस जल्द ही हॉलीवुड की दुनिया में एंट्री करने वाली है। जैकलीन फर्नांडिस हॉलीवुड की फिल्म चुमन स्टोरी के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली है। बता दें कि इसी साल जनवरी में फिल्म की घोषणा की गई थी। ये फिल्म एक 6 फिल्मों का एक संकलन है। जिसे अलग-अलग फीमेल डायरेक्टर डायरेक्ट करने वाली है। फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस मुख्य किरदार के रूप में नजर आने वाली है। फिल्म का निर्देशन लीना यादव करने वाली है। जिसका टाइटल शेयरिंग आर राइड है। फिल्म में जैकलीन का किरदार एक पुलिस ऑफिसर का होगा। फिल्म शेयरिंग आर राइट में नेपाल की ट्रांसजेंडर मॉडल के साथ नजर आने वाली हैं। इस बात का काफी समय पहले ही ऐलान कर दिया गया था। तो ऐसे में अब अभिनेत्री पुलिस ऑफिसर के रोल में दिखाई देने वाली हैं। अभिनेत्री के फैंस उनको इस किरदार में देखने के लिए काफी ज्यादा उत्साहित होंगे।

बुलडोजर की नीति

जहांगीरपुरी में उत्तरी दिल्ली नगर निगम की अतिक्रमण पर कार्रवाई के खिलाफ गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के वकीलों ने अपनी-अपनी दलीलें दीं। दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल यथास्थिति बनाए रखने के लिए कहा और अगले आदेश आने तक जहांगीरपुरी में किसी तरह की कार्रवाई नहीं करने के लिए कहा है। अदालत ने यह भी साफ किया कि उनका यह आदेश सिर्फ जहांगीरपुरी के लिए है न कि देश के दूसरे हिस्सों के लिए। वहीं इस मामले की अगली सुनवाई अब दो हफ्ते बाद होगी। उत्तर प्रदेश में जिस तरह से माफियाओं और अपराधियों पर कारवाही हो रही है उससे यह साफ संदेश दिया जा रहा है कि योगी सरकार अपने वादों के अनुसार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। ये तरीका काम भी खूब आ रहा है। अपराधी जेल से बहार आने में कतरा रहे हैं। कई तो खुद सरेंडर कर रहे हैं। छोटे बड़े सभी अपराधियों में डर का माहौल बनने लगा है। हाल ही में हुए कई एनकाउंटर और बुलडोजर की कार्यवाही से अपराधियों के मन में डर है। अपराध पर लगाम लगाने बुलडोजर चलाने की नीति का फायदा जब यूपी को मिला, तब इसका चलन दूसरे राज्यों तक भी पहुंच गया। इस तरह की कार्यवाही भाजपा शासित लगभग हर राज्य में देखने को मिली है। दिल्ली के बाद अब तो बुलडोजर भाजपा शासित राज्यों से आगे बढ़कर पंजाब और जम्मू-कश्मीर तक पहुंच गया है। अंबाला में एक नशा तस्कर के घर को गिराया गया है तो कश्मीर के बारामूला में एक आतंकी के घर को जमींदोज करने सेना बुलडोजर साथ ले गई। एक बड़े परिदृश्य में देखा जाये तो इस बुलडोजर के वार का बड़ा फायदा भारतीय जनता पार्टी को 2024 के लोकसभा चुनाव में भी मिल सकता है। अब तक जिन राज्यों में बुलडोजर पहुंच चुका है, उन पर नजर डालें तो सबसे पहले नंबर मध्य प्रदेश का आएगा। कुछ दिनों पूर्व रामनवमी के मौके पर खरगोन हिंसा में संलिप्त कथित उपद्रवियों के 50 से अधिक घर तोड़े गए। मध्यप्रदेश में दो साल के अंदर भाजपा राज्य में अब तक 12 हजार करोड़ से ज्यादा रुपए की संपत्ति पर बुलडोजर चल चुका है। तो वहीं भूमाफियाओं से 15 हजार एकड़ जमीन मुक्त कराई जा चुकी है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल के राज्य गुजरात में भी हाल ही में बुलडोजर की कार्रवाई देखने को मिली। खम्भात में रामनवमी के मौके पर हिंसा हुई, जिसके बाद आरोपियों की संपत्ति पर बुलडोजर चलाए गए। हरियाणा की मनोहर लाल खट्टर की सरकार में भी बुलडोजर की कार्रवाई देखी गई। सिरसा में दो बड़ी अवैध कॉलोनियों पर बुलडोजर चलवाया गया। बुलडोजर की कार्यवाही असम में भी देखने को मिली। यहां पिछले साल नगांवा जिले में जब्त किए गए ड्रग्स पर बुलडोजर चलाया गया। इसको ड्रग्स की सप्लाई लाइन काटने की राह में एक अहम कदम के रूप में देखा गया। हालांकि, एक तरफ सरकार बुलडोजर का इस्तेमाल दंगाइयों अपराधियों माफियाओं को नियंत्रित करने के दंड के रूप में दिखा रही है तो वहीं विपक्ष ऐसी कार्रवाई पर कई तरह के सवाल भी खड़े कर रहा है। आरोप लग रहे हैं कि ऐसी कार्रवाई से गरीबों और अल्पसंख्यकों पर जुल्म ढाया जा रहा है और इस तरह से दंड देना अनुचित है। राहुल गांधी का कहना है कि महंगाई और बेरोजगारी पर बुलडोजर चलाने की बजाय भाजपा का बुलडोजर घृणा और भय से भरा पड़ा है। गंभीर अपराधों के अपराधियों के विरुद्ध ऐसी कार्रवाई नहीं की गई, जैसी कि तोडफ़ोड़ की कार्रवाई करने वाले लोगों के विरुद्ध की जा रही है और इसका उद्देश्य बदला लेना है। किसी भी राज्य प्रशासन को प्रभावी प्रतिरोधक के रूप में ऐसे कदम उठाने का नैतिक अधिकार नहीं है।

इस्सयोगः न भूतो ना भविष्यतिः एक आध्यात्मिक क्रान्तिः खबरीलाल

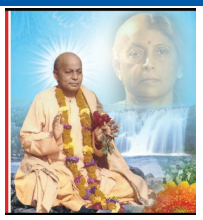

धन्य वह धरा जहाँ पति पावनी गंगा सदियों से निरंतर र्निविघ्न बह रही है।इस पवित्र को अनेक संत महापुरुषों नें विभिन्न युग में स्वयं अवतरित हो कर जगत का कल्याण कराया है।इसी क्रम में आज आप के समक्ष ऐसे महा पुरुष की चर्चा करने जा रहा हूँ %जिन्होंने संपूर्ण मानव जाति को कल्याण हेतू एक सहज सरल सुगम पथ ना केवल निमार्ण किया बन्कि सम्पूर्ण मानव जाति को त्रितापों से त्राण दिलाने हेतु, 'इस्सयोग' साधना पथ विना किसी भेद भाव आम आदमी सौगात स्वरूप उपलब्ध कराया है। एक दिव्य और चमत्कारिक शक्ति और औषधि देने वाले कोई साधारण संत नही बल्कि इस युग मे सद्गुरुदेव महात्मा सुशील कुमार जी के रूप अवतरित हुए ।आप का जन्म बिहार प्रांत के भोजपुर ज़िला निवासी ब्रहमलीन महापुरुष श्री श्रीशचंद्र शास्त्री एवं कर्पूर कमला के एक मात्र पुत्र के रूप में13जुलाई 1938 को हुआ था। आपने 1961 में बी एस सी इंजीनियरिंग (सिविल) तथा 1971में 'बैचलर औफ़ लौ' की उपाधि प्राप्त की।आप बिहार सरकार के पथ निर्माण विभाग में विभागाध्यक्ष के पद से1998में सेवा निवृत हुए। सर्वोतकृष्ट कार्यों एवं उपलब्धियों के लिए,आपको 'इंदिरा गाँधी प्रिय दर्शिनी सम्मान 1997' से विभूषित भी किया गया था।महात्मा जी को अध्यात्म विरासत में मिला था।उनके पिता प्रातःस्मरणीय शास्त्री जी चारों वेदों के ज्ञाता और भाष्य-कार थे। वे कठोर कर्म-कांडी और सपत्नी पक्के आर्य समाजी थे।आर्य समाज के आचार्य के रूप में, उनकी समाज में बड़ी प्रतिष्ठा थी तथा वे भारत सरकार की ओर से विदेशों में (थाईलैंड, श्रीलंका आदि देशों में)संस्कृत एवं वेदों की शिक्षा देने हेतु सादर भेजे जाते थे।शास्त्री जी ने गर्भाधान से लेकर महात्मा जी के आगे के सभी संस्कार वेदोक्त विधि से कराए थे।उनकी माता पूजनीयाँ कर्पूर कमला जी,सामाजिक सरोकारों से जुड़ीं विदुषी और तेजस्वीनी महिला थीं।अस्तु बाल्य काल से हीं,महात्मा जी में आध्यात्मिक संस्कार पड़ने लगे थे।शिशु पर वैदिक संस्कार पड़े, इस हेतु,पिताश्री किंचित लोभ देकर गायत्री मंत्र आदि रटाते थे। शास्त्री जी ने उन्हें कह रखा था कि,जब'गायत्री-मंत्र' का पाठ किया जाता है,तो सभी इच्छित फल प्राप्त होते हैं।उन्हें किसी वस्तु की इच्छा होती थी तो उनसे यह कहा जाता था कि,÷आँखों को बंद कर 'गायत्री मंत्र' का जप करो, तुम्हें वह अवश्य प्राप्त होगा।÷ महात्मा जी तदनुसार करते थे,फिर उनके हाथों में वह वस्तु पड़ी मिलती।(इच्छित वस्तु पिताश्री तैयार रखा करते थे।)।वयस्क होने पर महात्मा जी में स्वतंत्र विचार आने लगे तथा उनका आध्यात्मिक- चिंतन बदलने और परिष्कृत होने लगा। वय और अनुभूतियों के बढ़ने के साथ-साथ ,'परम-तत्त्व' की खोज की अभिलाषा उत्कंठा बनती गयी और उन्होंने जीवन के कर्मों का निबटारा करते हुए 'सत्य की खोज' जारी रखी।जैसा कि पूर्व में निवेदन किया जा चुका है कि, महात्मा जी ने सिविल अभियंत्रण में स्नातक की उपाधि प्राप्त की थी, सो अपनी लौकिक वृति 1963 में बिहार सरकार के लोक निर्माण विभाग में अवर प्रमंडल पदाधिकारी के पद से प्रारम्भ की। 1963से 65तक वे बिहारशरीफ़ में रहे तथा1966 से69 तक राँची में।तब बिहार का विभाजन नही हुआ था।पटना-हाजीपुर को जोड़ने के लिए बनाए जा रहे गंगा सेतु (महात्मा गाँधी सेतु) के निर्माण में उन्होंने निर्माता-कंपनी 'गैमन इंडिया' के साथ अपना विशेष योगदान 1970-71 में दिया था।वर्ष 1972 से 74तक बोकारो में एच एस सी एल में ज़ोनल इंजीनियर के पद पर उन्होंने कार्य किया और इस काल का उल्लेखनीय पक्ष यह था कि आप हीं के नेतृत्व में अत्यंत महत्वाकांक्षी 'कोल्ड रोलिंग मिल की कमीशनीग' संपन्न हुई थी। इसके बाद से,1979 तक आपने राजधानी (पटना)के विभिन्न कार्य-प्रक्षेत्रों में,अपना उल्लेखनीय योगदान दिया।इसके बाद आपको,आपके कुशल प्रशासनिक और प्रभावकारी व्यक्तित्व के महत्त्व को रेखांकित करते हुए आपको नक्सल प्रभावित उन क्षेत्रों में विशेष कार्यों के लिए भेजा गया,जहाँ से दूसरे अधिकारी और

विशेषज्ञ परहेज़ रखना चाहते थे।लेकिन आप भला किससे भय रखते!आपने सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर अपने कर्तव्य पूरे किए तथा इस दौरान अनेक स्थानों पर हरिजन-छात्रावास एवं शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्यों को पूरा किया। 1998 में अपने विभाग के अध्यक्ष पद से सेवा निवृत होने से पहले आपने पटना क्षेत्रीय प्राधिकार के ट्रिब्यूनल में अपनी सेवाएँ दी।पटना में अतिक्रमण हटाने हेतु न्यायिक फ़ैसले लेने के लिए दो माननीय न्यायाधीशों के साथ आपकी अभियुक्ति और अनुशंसा महत्त्वपूर्ण मानी जाती थी।पटना के सौंदर्यीकरण के लिए भी आपके प्रयास सराहनीय रहे।उपरोक्त कुछ संदर्भ इस आशय के लिए, लिए गए कि,यह प्रमाणित हो कि महात्मा जी, जो कहते थे, वह अपने जीवन में पालन भी करते थे।उन्होंने संसार को पूरा जिया, और वहीं पूरी तरह विरक्त भी रहे।आध्यात्मिक धारा में बहते हुए भी,संसार छोड़ने की बात कभी नहीं की।वे कहा करते थे कि, सत्य की खोज और तत्त्व-ज्ञान के लिए संसार को छोड़ना अनावश्यक है।सच्चा मार्ग और सच्चा गुरु पाकर गृहस्थ जीवन में हीं आध्यात्मिक उपलब्धियाँ पायी जा सकती है। गृहस्थ-आश्रम साधना का श्रेष्ठ आश्रम है।इसी तरह उन्होंने, समय आने पर विवाह भी किया। वर्ष 1963 के 18मई को जब आपका विवाह संपन्न हुआ,उस समय आपकी नव-परिणीता आदरणीया विजया जी(माँ विजया जी)अभी-अभी इंटर की परीक्षा दी थीं। भविष्य में दिव्य शक्तियों के स्वामी होने वाले सुंदर, सफल और योग्य पुरुष के लिए, निश्चय हीं,सुयोग्य कन्या होनी चाहिए। कहते हैं- जोड़ियाँ ऊपर बनायी जाती है। औरों के बारे में तो नहीं कह सकते, किंतु आपकी जोड़ी 'शिव-पार्वती' की जोड़ी सिद्ध हुई। माताजी बाल्य-काल से हीं आध्यात्मिक रुझान रखती थी। अस्तु दोनों के संगम की पृष्ठ-भूमि पहले से तैयार थी।सो नैसर्गिक रूप से दोनों ही अध्यात्म के पथ पर भी साथ-साथ बढ़े।ईश्वर के प्रति उनकी विपुल भक्ति ने निश्चय हीं प्रभु को अपनी ओर खींचा था। उन्हें बाल्य-काल से हीं अलौकिक अनुभूतियाँ होती थी।साधना के मार्ग में एक पथ-प्रदर्शक की आवश्यकता पड़ती है।एक महात्मा ने दोनों को दीक्षा भी दी तथा साधना का मार्ग बी बताया। किंतु कुछ हीं कालों में आपने यह अनुभव किया कि, यदा-कदा गुरु रूप में कोई ऐसा विलक्षण व्यक्तित्व आता है,और आप दोनों को अलौकिक स्थितियों में ले जाता है, जैसा कि,आपके लौकिक-गुरु नहीं कर सकते थे। बाद में आपने अनुभूत किया कि, लौकिक गुरु के रूप में स्वयं सद्गुरु भगवान शंकर आकर साधना का मार्ग प्रशस्त करते चलते थे।कालांतर में,भगवान शिव स्वयं प्रकट होने लगे और आपने अध्यात्म की वह ऊँचाई पायी, जिसके लिए युगों-युगों तक, जनमों-जनम तक प्राणी भटकता फिरता है।महात्मा जी तथा माताजी ने केवल स्वयं हीं उस परम तत्त्व को नहीं प्राप्त किया,बल्कि उन्होंने जिज्ञासु पात्रों एवं जन-साधारण को भी प्रभु से सीधे जुड़ने का 'इस्सयोग' के रूप में एक महान और सरल मार्ग प्रशस्त किया।इस साधना-पद्धति का आश्रय लेकर सामान्य साधक भी, सहज में हीं वह सहजावस्था प्राप्त करने लगता है,जिसके लिए बड़े-बड़े संत अपना जीवन खपाते रहे हैं। आप नें 'इस्सयोग' को ' न भूतों न भविष्यतिः आध्यात्मिक क्रांति' इस्सयोग .की एक मिनट की लयावस्था साधना 6 वर्षों के बाह्य पुजा पाठ के बराबर फत दायी होती है। आप ने घोषणा की इस्सयोग एक दिन दो तिहाई भु मण्डल पर छायेगा।इस्सयोग के समर्पित साधक साधिकायें हम घर घर पहुँचा चें कहा।वर्ष2002 के23-24अप्रैल की मध्य-रात्रि में महात्मा जी ने अपने लौकिक-देह का त्याग किया।इसके एक-दो वर्ष पूर्व से हीं वे अपने महाप्रयाण के संकेत देने शुरू कर दिए थे।वे गुरुधाम (बी-108, कंकड़बाग हाउसिंग कॉलोनी ,पटना) में प्रत्येक संध्या 22-3घंटा समय साधक-साधिकाओं को देते थे। संध्या 6 बजे से भजन-कीर्तन, फिर पौने आठ बजे से,जगत-कल्याण हेतु, 'ब्रह्मांड-साधना' और उसके पश्चात आशीर्वचन,यह प्रतिदिन का नियम था।माताजी के साथ महात्मा जी आसान पर विराजते थे तथा साधक-गण की समस्याएँ सुनते और निराकरण करते थे। प्रायः हीं कुछ न कुछ नए लोग, भाँति-भाँति की समस्या लेकर आते और निदान पाते। महात्माजी सबके कष्ट हरा करते थे।अपने महाप्रयाण के कुछ दिन पहले से वे यह कहने लगे थे कि-÷अब आप में से(साधक-साधिकाओं में से) अनेक उस उच्चावस्था को प्राप्त कर चुके हैं ,जिसके आगे की यात्रा के लिए आप समर्थ हैं तथा कालांतर में आप में से अनेक 'इस्सयोग' को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे, जिससे 'ईश्वर से सीधा संपर्क' का यह मार्ग आगे भी मानव-समुदाय को मिलता रहेगा÷।अंततः 23-24 अप्रैल की मध्य-रात्रि में आपने मुद्रा लगाकर चिर समाधि ले ली!इस्सयोग के साधक यह मानते है कि, महात्मा जी पार्थिव-देह का त्याग कर, सूक्ष्म रूप से निखिल ब्रह्मांड में व्याप्त हो गए हैं तथा अपने साधक-साधिकाओं के साथ,सूक्ष्म रूप में सदैव बने रहते हैं।उनका यह भी मानना है कि,वे सूक्ष्म रूप से माताजी में(माँ विजया जी के तन में)उपस्थित रहते हैं तथा उनके माध्यम से आज भी जगत का कल्याण कर रहे हैं।

इस्सयोग के संस्थापक व आध्यात्मिक कान्ति के जनक महात्मा सुशील कुमार कुमार जी के महा र्निमाण महोत्सव भारत के विभिन्न राज्यों के अलावे विदेशों से बडी संख्या में श्रद्धालु जन अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए दो दिवसीय महा निर्वाण महोत्सव शरीक होने आ रहे है।

मोदी के 'फार्मुले' से भाजपा में बैचेनी....!

ओमप्रकाश मेहता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी के वंशवाद के फार्मुले को लेकर देश भर के भाजपा नेताओं की बैचेनी बढ़ गई है और इन नेताओं के बच्चों के भविष्य के सामने प्रश्नचिन्ह लग गया है। मोदी जी ने पिछले दिनों एक सार्वजनिक बयान में 'सांसदों के बच्चों' के टिकट काटने और वंशवाद को लोकतंत्र के लिए खबरा बताया था। भारतीय जनता पार्टी के पूरे देश में हजारों ऐसे नेता है, जिनके बेटे-बेटी पिछले एक दशक से भी अधिक से राजनीति में सक्रिय है तथा अगले लोकसभा एवं विधानसभाओं के चुनावों में टिकट की दावेदारी प्रस्तुत कर रहे है। मोदी केक इस बयान में उनका पुरजोर साथ दिया है उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने। इसलिए भाजपा के पीडित नेता व्यक्तिगत चर्चा में यह कह रहे है कि यह वंशवाद विरोधी नारा वे ही नेता उठा रहे है जिनका अपना स्वयं का कोई परिवार नहीं है।

यदि हम फिलहाल पूरे देश की बात छोड़े और सिर्फ मध्यप्रदेश की ही बात करें तो मध्यप्रदेश के वरिष्ठ नेता नरेन्द्र सिंह तोमर, स्वयं शिवराज सिंह, वरिष्ठ मंत्री गोपाल भार्गव, राष्ट्रीय नेता प्रभात झा आदि अनेक नेता है जो मोदी जी के इस बयान से सहमत नहीं है, क्योंकि इनके बेटे-बेटी पहले से ही राजनीति में दस्तक दे चुके है। राज्य के एक मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा तो सार्वजनिक बयान जारी कर मोदी जी के इस फार्मुले का विरोध कर चुके है। श्री सखलेचा का कहना है कि जिन भाजपा नेताओं के बच्चें पिछले कई वर्षों से जिन क्षेत्रों में सक्रिय होकर पार्टी का काम कर रहे है, उन क्षेत्रों में ÷पैराशूट लैण्डिंग÷ नही होनी चाहिये क्योंकि इससे पार्टी को भारी क्षति पहुंचने की संभावना बढ़ जाती है।

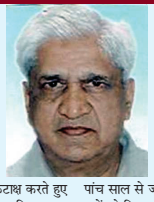

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि उत्तरप्रदेश के साथ चार राज्यों में भाजपा की सरकारें बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा संसदीय दल की बैठक में राजनीति में परिवारवाद पर कटाक्ष करते हुए स्पष्ट रूप से कहा था कि- ÷अगर विधानसभा चुनावों में आपके बच्चों के टिकट कटे है तो उसकी एकमात्र वजह मैं (स्वयं मोदी) हूँ, क्योंकि मेरा मानना है कि वंशवाद लोकतंत्र के

लिए सबसे बड़ा खतरा है, परिवारवाद से जातिवाद को बढ़ावा मिलता है।÷, इस गाईड लाईन के हिसाब से प्रदेशों में बड़े नेताओं के बेटे-बेटियों के टिकट कट सकते है। प्रधानमंत्री जी के इसी सार्वजनिक बयान के बाद मध्यप्रदेश के मंत्री सखलेचा ने कहा था कि- ÷कम से कम पांच साल से जमीनी राजनीति करने वाले नेता पुत्रों को टिकट दी जानी चहिये, कई नेताओं के बेटे-बेटी कई वर्षों से 'फुल टाईम' काम कर रहे है, उनके टिकट सिर्फ इसलिए काट दिये जाएँ कि वे 'नेतापुत्र' है तो उनके जीवन के साथ न्याय नहीं होगा।÷

यद्यपि प्रधानमंत्री मोदी जी ने उक्त विचार प्रमुख प्रतिपक्षी दल कांग्रेस को लेकर व्यक्त किया था, साथ ही समाजवादी दल भी मोदी के इस वक्तव्य के दायरे में आते है, स्वयं भाजपा भी इस मामले में कांग्रेस से पीछे नही है, यह सभी जानते है, लेकिन मोदी के इस बयान ने हजारों भाजपा नेताओं के बैचेनी अवश्य बढ़ दी है तथा उन्हें उनके पुत्र-पुत्रियों के भविष्य अंधकारमय नजर आने लगे है।

यहाँ यह उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री जी के पुत्र कार्तिकेय सिंह, गोपाल भार्गव के पुत्र अखिलेश भार्गव, नरेन्द्र सिंह तोमर के बेटे देवेन्द्र सिंह तोमर, नरोत्तम मिश्रा के पुत्र सुकर्ण मिश्रा, प्रभात झा के बेटे तृष्मूल झा, ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे महाआर्यन सिंधिया, सुमित्रा महाजन के बेटे मंदार महाजन तथा कैलाश विजयवर्गीय के बेटे आकाश विजयवर्गीय जैसे मध्यप्रदेश में दौ सौ से अधिक भाजपा नेता है, जिनके बेटे-बेटी राजनीति में सक्रिय है, कैलाश विजयवर्गीय सहित तीन नेताओं के बेटे तो राज्य विधानसभा के सदस्य है।

इस प्रकार कुल मिलाकर प्रधानमंत्री जी का वंशवाद सम्बंधी बयान भाजपा नेताओं को पच नहीं रहा है, कुछ नेताओं ने तो व्यक्तिगत चर्चा में यहां तक कहा कि- ÷यही सब चलता रहा तो पार्टी का भविष्य ठीक नही रह पाएगा, वैसे ही मोदी के चमत्कार की चमक धीरे-धीरे कम हो रही है, यदि मोदी जी का यह फार्मुला लागू हो गया तो इससे भाजपा को भारी नुकसान सहन करना पड़ेगा।

वैचारिक शून्यता के शिकार 'सत्तालोभी व अवसरवादी' नेता

सूडोकु नवताल- 6049

★★★★☆ मध्यम

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6048 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

तनवीर जाफ़री

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को देश के उस इकलौते प्राचीन राजनैतिक संगठन के रूप में जाना जाता है जिसने स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाते हुये पराधीन भारत को स्वाधीनता दिलाई थी। महात्मा गाँधी से लेकर सुभाष चंद्र बोस,बाबा साहब भीम राव अंबेडकर, पंडित जवाहर लाल नेहरू,सरदार पटेल,मौलाना अबुल कलाम आज़ाद,ख़ान अब्दुल ग़फ़्फ़ार ख़ान,जैसे अनेक महान नेता इसी कांग्रेस पार्टी के सम्मानित संस्थापक व सदस्य रहे हैं। कांग्रेस पार्टी जहाँ स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज़ादी के बाद अर्थात अब तक सर्व धर्म समभाव जैसी सर्व समावेशी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करती आ रही है वहीं इसी देश में हिन्दू महासभा,मुस्लिम लीग,राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, जैसे भी अनेक दल व संगठन सक्रिय रहे जिन्होंने कांग्रेस व गांधीवादी विचारधारा के विरुद्ध चलते हुये देश के लोगों को धर्म के नाम पर गोलबंद करने का काम शुरू किया। ऐसी शक्तियां अंग्रेज़ों के हाथों का खिलौना बन गयीं क्योंकि अंग्रेज़ भी बांटो और राज करो की इसी विभाजनकारी नीति पर चलते हुये ही विश्व के बड़े भूभाग पर शासन करते आ रहे थे। आज दुनिया के अनेक देशों ,में बन चुके कई अलग अलग देश, दुनिया के अनेक देशों में फैला धर्म के नाम का आतंक,देश प्रेम पर हावी होता धर्म प्रेम यह सब उसी अंग्रेज़ी सियासत के ही दूरगामी परिणाम हैं।

परन्तु इससे भी बड़ा सच यह है कि अंग्रेज़ों की इस विभाजनकारी नीति को परवान चढ़ाने में सबसे बड़ी भूमिका

मौक़ापरस्त,क्षणिक लाभ उठाने वाले,धन व सत्ता लोभी,विचार व सिद्धांत विहीन लोगों की रही है । कहा जा सकता है कि विरासत में मिली इस वैचारिक शून्यता व रीढ़ विहीनता का सिलसिला न केवल आज तक जारी है बल्कि संभवतः यह भारतीय राजनीति के सबसे बड़े व दुर्भाग्यपूर्ण सत्य का रूप भी धारण कर चुका है। कहने को तो हमारे देश में अनेक राजनैतिक दल हैं जो दक्षिण पंथी,वाम पंथी,मध्य मार्गीय,व अनेक प्रकार की क्षेत्रीय विचारधाराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। परन्तु प्रायः इन दलों के नेताओं में वैचारिक प्रतिबद्धता अथवा वैचारिक समर्पण नाम की कोई चीज़ बाक़ी नहीं रह गयी है। कौन सा गांधीवादी कब गोडसेवादी बन जाये,कौन सा लोहियावादी अथवा समाजवादी कब दक्षिणपंथी बन जाये कुछ कहा नहीं जा सकता।इन नेताओं के वैचारिक पाला बदल के कारण भी बताने के कुछ और व हक़ीक़त में कुछ और ही होते हैं।

मिसाल के तौर पर इन दिनों कांग्रेस के अनेक नेता दल बदल करते समय यह कहते सुने जा रहे हैं कि आज की कांग्रेस पहले वाली कांग्रेस नहीं रही,कोई कहता है कि कांग्रेस आत्महत्या कर रही है,कोई नेहरू-गाँधी परिवार पर पार्टी को मज़बूत न कर पाने का आरोप लगा रहा है। परन्तु हक़ीक़त तो यह है कि देश में धार्मिक ध्रुवीकरण की सफल राजनीति करने के बाद सत्ता में आने वाली भारतीय जनता पार्टी के समक्ष उन रीढ़विहीन व विचारविहीन नेताओं द्वारा समर्पण किया जा रहा है जो लंबे समय तक सत्ता सुख भोगे बिना नहीं रह सकते। जिन्हें अपने साथ साथ अथवा अपने बाद अपने बच्चों व परिजनों के लिये पार्टी प्रत्याशी के रूप में टिकट की गारंटी चाहिए। या जो कांग्रेस में रहते हुये स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रहे थे,अथवा जो अपना जनाधार समाप्त कर चुके थे। कांग्रेस दरअसल हमेशा ही अपने ही विभीषणों से कमज़ोर हुई है। जितनी बार कांग्रेस विभाजित हुई,देश का कोई अन्य दूसरा दल विभाजित नहीं हुआ। परन्तु कांग्रेस में पूर्व में कामराज, ब्रह्मानंद रेड्डी,नारायण दत्त तिवारी,अर्जुन सिंह,जी के मूपनार,जगजीवन राम व हेमवती नंदन बहुगुणा आदि नेताओं के समय काल के पार्टी विभाजन काफ़ी हद तक पार्टी की अपनी मूल धर्मनिरपेक्ष विचारधारा को भी साथ लेकर चल रहे थे। तभी इन नेताओं ने या तो गांधीवादी विचारधारा युक्त अपने अलग राजनैतिक संगठन बनाये या फिर आगे चल कर पुनः कांग्रेस में ही विलय कर गये।

धान खरीदी को लेकर राजनीति गरमायी

सच्चिदानंद शेकटकर

धान खरीदी को लेकर राजनीति गरमा रही है। तेलंगाना में चावल खरीद के मुद्दे को लेकर राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के मुखिया और सूबे के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव दिल्ली में केंद्र सरकार के खिलाफ धरना देते नजर आए। तेलंगाना भवन में आयोजित प्रदर्शन के दौरान के चंद्रशेखर राव के साथ किसान नेता राकेश टिकैत भी मंच पर नजर आए। इसके साथ ही टीआरएस के अन्य नेता भी मौजूद रहे।

टीआरएस का आरोप है कि केंद्र सरकार किसानों के साथ धोखा करते हुए कॉरपोरेट हितों का ख्याल रख रही है। दिल्ली में तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि तेलंगाना अपना हक मांगता है। केसीआर ने प्रधानमंत्री मोदी से मांग की है कि नई कृषि नीति बनाएं और हम उसमें भी योगदान देंगे। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे तो आपको हटा दिया जाएगा और नई सरकार नई एकीकृत कृषि नीति बनाएगी। केंद्र तेलंगाना के किसानों से धान नहीं खरीद रहा है। उसी पर बोलते हुए तेलंगाना के गृहमंत्री मोहम्मद महमूद अली ने केन्द्र सरकार पर किसानों को परेशान करने और उनके साथ अन्याय करने का आरोप लगाया है। उन्होंने प्रधानमंत्री से राज्य से फसल खरीदने की भी अपील की। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) नेता राकेश टिकैत भी दिल्ली में टीआरएस के सांसदों, एमएलसी और विधायकों सहित निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। धरना स्थल की तस्वीरों में बड़ी संख्या में लोगों को मंच के सामने इकट्ठा होते और केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाते देखा गया। एमएलसी के कविता ने कहा कि तेलंगाना की मांग है कि एक खरीद नीति रहे। एक देश में एक खरीद नीति होनी चाहिए। पहले छत्तीसगढ़ से भी यह मांग आई थी किसान की मदद की जाए न कि किसान को बर्बाद किया जाए। अब देखना है कि धान खरीदी की राजनीति किस मुकाम पर पहुँचती है।

शादी समारोह में रिवाल्वर से किए हर्ष फायर पुलिस ने रोकने वाले को ही थाने में बैठाया

शादी समारोह में फायरिंग करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल, आरोपी फरार

मुरैना। पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता के चलते शादी समारोह युद्ध के अखाड़े में तब्दील हो गए हैं। शादी समारोह में प्रशासन के द्वारा फायरिंग करने से मना करने के बावजूद भी लोग फायरिंग करने से बाज नहीं आ रहे। बीती रात को एक ऐसा ही मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र में मुरैना गॉव स्थित गुलाब गार्डन में देखने को मिला, यहां पर शादी में आए एक रिश्तेदार द्वारा युवाओं के बीच में रिवाल्वर से हर्ष फायर किया गया और लड़के के पिता ने रोका तो पुलिस उसे ही उठा कर थाने ले गई। परिजनों द्वारा थाने पहुंचकर दूल्हे के पिता को छुड़ाने के लिए काफी मिन्नत की गई लेकिन पुलिस ने एक नहीं सुनी। जब कि फायर करने वाले फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार विवेक राजपूत पुत्र नेत्रपाल राजपूत निवासी चैना के लड़के की बारात गुरुवार की देर शाम को मुरैना गॉव स्थित गुलाब गार्डन में पहुंची, जिसके बाद रात को डीजे पर डांस का कार्यक्रम चल रहा था। उसी समय नरेश यादव और गुलाब यादव के द्वारा पिस्टल से हर्ष फायरिंग की गई, जब दूल्हे के पिता नेत्रपाल ने मना किया तो दोनों के द्वारा धक्का-मुक्की कर दी गई। इस दौरान सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक फायर करने वाले वहां से फरार हो गए और पुलिस ने दूल्हे के पिता को अरेस्ट करने के बाद थाने में बंद कर दिया। बताया गया है कि दूल्हे के परिजनों ने बीती रात पुलिस से दूल्हे के पिता को छोड़ने की काफी मिन्नत की, लेकिन पुलिस के द्वारा दूल्हे के पिता को सिविल लाइन थाने में लाकर रात को बंद कर दिया गया और एफआईआर दर्ज करने की धमकी दी गई। बता दें कि फायरिंग करने वाले लोगों के खिलाफ पुलिस ने शुक्रवार की दोपहर तक कोई मामला दर्ज नहीं किया है। इस मामले में पुलिस का कहना है कि फायरिंग करने वालों को बुलाया गया है, मामले की जांच के बाद ही फायरिंग करने वालों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। फायरिंग की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। गौरतलब है कि हर्ष फायरिंग के मामले में कई जगह अप्रिय घटना भी हो चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद भी फायरिंग करने वाले लोग शादी समारोह में फायरिंग करने से पीछे नहीं हट रहे हैं। बताया गया हैं कि दूल्हे के पिता नेत्रपाल पर फायरिंग करने वालों ने 5 तोले सोने की चैन लूटने का झूठा इल्जाम लगाकर पुलिस को बुलाकर रात भर थाने में बंद करवा दिया और सुबह पुलिस द्वारा दूल्हे के पिता को छोड़ा गया।

विशाल रक्तदान शिविर 24 को, निरंकारी भक्त करेंगे रक्तदान

मुरैना। संत निरंकारी मिशन की मुरैना ब्रांच द्वारा भारतवर्ष में प्रत्येक वर्ष की भांति युग प्रवक्ता बाबा गुरबचन सिंह की स्मृति में उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा लेते हुए संत निरंकारी मिशन द्वारा इस वर्ष भी मानव एकता दिवस के अवसर पर संपूर्ण विश्व के रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी के तहत मुरैना के स्थानीय मुखी महात्मा ने बताया कि 24 अप्रैल को प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक नया आम पुरा मुरैना स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन या जा रहा है, जिसमें ग्वालियर के प्रमुख जयारोग्य अस्पताल के डॉक्टर एवं मुरैना हॉस्पिटल की टीम द्वारा रक्त एकत्रित किया जाएगा। उन्होंने सभी भाई बहनों से रक्तदान शिविर में भाग लेने की अपील की है।

कट्टे के साथ स्थाई वारंटी पकड़ा

मुरैना। सबलगढ़ थाना प्रभारी केके सिंह द्वारा पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर लगातार वारंटीयों की तामिली कराई जा रही है और धरपकड़ अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत पुलिस ने बुधवार की शाम बद्धपुरा रोड से एक स्थाई वारंटी को 315 बोर कट्टा एवं राउंड के साथ गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया है।

पानी टंकी निर्माण हेतु अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन 21वे दिन जारी

मुरैना। रामपुर कलॉ में नल जल योजना के तहत पानी टंकी निर्माण हेतु अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन 21 वे दिन इमली चौक रामपुर कलॉ पर लगातार जारी है। जिसमें भू माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई को लेकर दिनांक 18 अप्रेल से स्थाई आमरण अनशन शुरू किया गया है। जिसकी लिखित सूचना थाना प्रभारी रामपुर कलां के माध्यम से अनुविभागीय अधिकारी राजस्व विभाग सबलगढ़ को भेजी जा चुकी है। धरना प्रदर्शन में बिसरूराम जाटव पूर्व जिला पंचायत सदस्य, राजाराम शाक्य अध्यक्ष शाक्य समाज रामपुर कलां, स्थाई आमरण अनशन कर रहे हैं तथा धर्मेंद्र चतुर्वेदी उर्फ़ अन्ना हजारे, जीतेन्द्र जाटव सामाजिक कार्यकर्ता, धर्मेंद्र सिंह जादौन वरिष्ठ नेता भाजपा रामपुर कलां, भोले चतुर्वेदी, दिलीप गौड़, शिवमसुंदर शर्मा, लाल खान, शिवसिंह जादौन, सरवन, मौलाना सईद खान, बसीर खान, लाले श्रीवास, लाल गुर, हुकमचंद्र गोयल, समसेर लोलगर (खान) पप्पू जाटव(ढालिया) आदि लोग मौजूद रहे।

गोद लिए हुए आंगनबाड़ी केंद्र पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने की बच्चों से चर्चा

वजन तोलने की मशीन सहित अन्य सामग्री की भेंट

अंबाह। नगर के आंगनवाड़ी केंद्र वार्ड क्रमांक 14 भाग 1 क्रमांक 30 को भाजपा के जिला अध्यक्ष योगेश पाल गुप्ता द्वारा गोद लिया गया है। श्री गुप्ता द्वारा उक्त केंद्र के बच्चों के कुपोषण को दूर करने और उन्हें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करा कर बहुआयामी रूप से विकसित करने के उद्देश्य से केंद्र को गोद लिया गया है।

योगेश पाल गुप्ता ने आंगनबाडी केंद्र पहुंचकर बच्चों से चर्चा की। उन्होंने बच्चों को बिस्कुट के पैकेट बांटे तथा आंगनबाडी केंद्र में मिल रही सुविधाओं, नाश्ता एवं भोजन के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर श्री गुप्ता ने मौजूद कार्यकर्ता को वजन तोलने वाली मशीन एवं अन्य सामग्री भेंट की। उन्होंने आंगनबाडी केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं का ब्यौरा लेकर बच्चों से जानना चाहा कि उनकी रुचि के अनुरूप यहां और क्या-क्या होना चाहिये। श्री गुप्ता ने कहा कि इसके लिए वह यहां विभिन्न गतिविधियां संचालित करेंगे। इस अवसर पर श्री गुप्ता ने समाज के सक्षम और सम्पन्न नागरिकों, समाजसेवी संगठनों एवं संस्थाओं से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मंशा के अनुरूप निकट के आंगनबाडी केंद्र को एडॉप्ट कर सुविधाओं के विकास और बच्चों के सुपोषण स्तर को बढाने की जिम्मेदारी लेने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की मंशा अनुरूप राज्य शासन द्वारा आंगनबाडी केंद्रों के आधारभूत ढांचे का सुदृणीकरण कर इन्हें बच्चों की रुचि के अनुरूप बनाने के लिये एडॉप्ट एन आंगनबाडी केंद्र योजना की शुरुआत की है। योगेश पाल गुप्ता ने इसी योजना के तहत इस आंगनबाडी केंद्र को गोद लिया है।

थाना प्रभारी व पुलिसकर्मियों के विरुद्ध एएसपी को दिया ज्ञापन

मुरैना। सिहोंनिया थाना प्रभारी एवं अन्य पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई करने हेतु विजय सिंह लोधी ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ रायसिंह नरवरिया को ज्ञापन देते हुए उनके विरुद्ध आपराधिक मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की मांग की है।

विजय सिंह लोधी निवासी ग्राम सिरमिति ने ज्ञापन में बताया कि 20 अप्रैल को वह अपने गांव से भिंड के लिए शादी में सम्मिलित होने अपनी बाइक क्रमांक एमपी 06 एमके 2848 से जा रहा था ! सिहोंनिया थाने के सामने पहुंचा तो पुलिस चेकिंग चल रही थी, चेकिंग के चलते उसने अपनी मोटरसाइकिल रोक दी और प्रार्थी द्वारा सभी कागजात थाना प्रभारी को दिखाए गए, जिस पर उन्होंने हेलमेट नहीं लगाने पर रसीद कटवाने को कहा। इस दौरान वहां खड़े पुलिसकर्मियों जिसमें एक सिविल ड्रेस में पुलिस कर्मचारी खड़ा था, उसके द्वारा 1000 रुपए की मांग की गई तथा नहीं देने पर गाली गलौज करने लगे। जब विरोध किया तो पुलिसकर्मियों ने विजय सिंह की लात घूसा से मारपीट करते हुए जेब में रखे मोबाइल को तोड़ दिया तथा 1 घंटे तक थाने में बैठा कर रखा और 250 रुपए की रसीद काटकर थाने से भगा दिया। पीड़ित विजय सिंह ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से थाना प्रभारी एवं पुलिसकर्मियों पर अपराध दर्ज कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

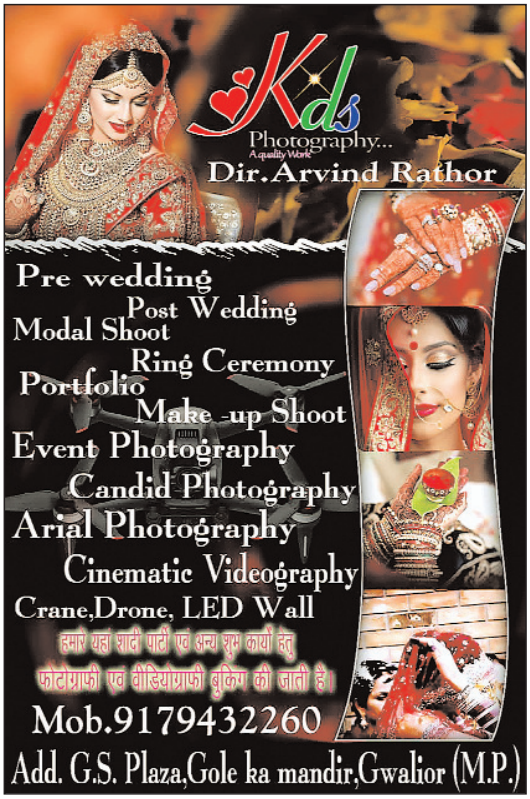

आयुक्त ने किया ग्वालियर बानमोर के मध्य नई ब्रॉड गेज तीसरी लाइन का निरीक्षण

मुरैना। रेल संरक्षा आयुक्त मोहम्मद लतीफ खान द्वारा ग्वालियर-बानमोर के मध्य (19.01 किमी) रेल खंड पर तीसरी लाइन के पूर्ण कार्य का निरीक्षण किया गया, जिसके अंतर्गत ट्रैक्शन, सिग्नल, गेट, ओएचई ब्रिज, पॉइंट्स आदि का गहन निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने इंस्पेक्शन कैरिज तथा मोटर ट्राली से रेलखंड के अंतर्गत आने वाले स्टेशनों बानमोर, रायरू, बिरलानगर पर नए सभी प्रकार के नए संस्थापनों की परख की। निरीक्षण उपरान्त सम्बंधित नव स्थापित ट्रैक पर अधिकतम 127 प्रति घंटा की रफ्तार से निरीक्षण गाडी को दौडाकर स्पीड ट्रायल के माध्यम से ट्रैक की गुणवत्ता, रीडिंग क्वालिटी आदि की परख ली गयी। रेल संरक्षा आयुक्त की अनुमति के उपरान्त, यह नव तिहरीकृत रेल खंड यात्री गाडियों एवं मालगाडी के सुरक्षित संचालन हेतु उपलब्ध होगा। इस तीसरी लाइन के खंड के प्रारंभ होने से झाँसी-धौलपुर रेल खंड पर गाडियों के संचालन में सुगमता आएगी, गति मिलेगी तथा समय पालनता में वृद्धि होगी। निरीक्षण के दौरान रेल संरक्षा आयुक्त के साथ मंडल रेल प्रबंधक आशुतोष, मुख्यालय से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी(निर्माण) शरद मेहता, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर आरवीएनएल अनुराग, सीई/टीएमसी आर के श्रीवास्तव, मुख्य परियोजना प्रबंधक(आर वी एन एल) सुमित सरदाना सहित अन्य अधिकारीगण, पर्यवेक्षकगण तथा स्टाफ उपस्थित रहे।

चम्बल क्रिकेट टीम ने रीवा को हराकर जीती श्रंखला

टीम की जीत पर सिंधिया, मेहता सहित चंबल डिवीजन के पदाधिकारियों ने दी बधाई

मुरैना। चम्बल डिवीजन क्रिकेट मैदान पर आयोजित टूर्नामेंट में चम्बल डिवीजन की क्रिकेट टीम ने फायनल मैच में रीवा की टीम को 417 रनों से हराकर श्रंखला जीत ली है। टीम की इस जीत पर डिवीजन के अध्यक्ष ज्योतिरादित्य सिंधिया, कार्यकारी अध्यक्ष प्रशांत मेहता सहित चम्बल डिवीजन क्रिकेट एसोसियेशन के सचिव तस्लीम खान व अन्य पदाधिकारियों ने बधाई दी है। डिवीजन सचिव तस्लीम खान ने जानकारी देते हुए बताया कि इस टूर्नामेंट में 10 टीमों ने हिस्सा लिया, जिसमें सागर, रीवा, भोपाल, शहडोल और चम्बल के अलावा ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन और नर्मदापुरम की क्रिकेट टीम ने भाग लिया। टूर्नामेंट में चम्बल की टीम ने बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए सागर, रीवा, भोपाल को लीग मेचों में हराकर सेमीफाइनल मैच में शहडोल को हराया और फाइनल में रीवा से हराया। फायनल मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चम्बल की टीम ने अमन सोलंकी 97 रन, सोमू सिंह सिकरवार 74 रन, जतिन राजपूत 52 रन, जय गुर्जर 50 रन, गौरव कौशल 34 रन व गौरव शर्मा 27 रन के सहयोग से पहली पारी में 428 रन बनाये, जिसके जबाव में रीवा की पूरी टीम पहली पारी में 207 रनों पर आउट हो गई।

चम्बल को पहली पारी में 221 रनों की बढ़त मिली व चम्बल ने दूसरी पारी 310 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। चम्बल की ओर से दूसरी पारी में सक्षम पुरोहित ने 104 रन अमन सोलंकी ने 82 रन गर्वित शर्मा ने 50 रन और सोमू सिकरवार ने 29 रन बनाये और रीवा को 532 रनों के लक्ष्य दिया। जिसके जबाव में रीवा की टीम दूसरी पारी 115 रन ही बना सकी। चम्बल की ओर से गेंदवाज जय गुर्जर 5 विकेट, विष्णु भारद्वाज 5 विकेट, सोमू सिकरवार 4 विकेट, आर्यन थापा 4 विकेट के आगे रीवा की टीम बेवश नजर आई। चम्बल डिवीजन क्रिकेट टीम की इस जीत पर शहर के सभी खेल प्रेमियों ने भी बधाई दी है।

खेरागढ़ के ग्राम कुकंडई में लगी भीषण आग लाखो का समन जलकर हुआ खाक

संजय सिंह पुष्पांजली टुडे

खेरागढ़ । जनपद आगरा की खेरागढ़ तहसील के अंतर्गत ग्राम कुकंडई में समय लगभग 5 बजे कमलेश पुत्र दामोदर और महेंद्र पुत्र भूप सिंह का लाखो का सामन जलकर राख हो गया

प्राप्त जानकारी के अनुसार कमलेश निहायती गरीब व्यक्ति है अपने पांच बच्चों के साथ मेहनत मजदूरी कर जीवन यापन करता है वही ग्रामीणों ने बताया कमलेश के 3 बेटियां हैं और दो बेटे हैं सभी बच्चे नाबालिक है आग लगने की वजह से 15 कुंटल गेहूं व झोपड़ी में रखी हुई सरसों खाने पीने का सामान कपड़े जलकर राख हो गई वही बताया जा रहा है एक भैंस भी काफी हद तक उसके पैर जल चुके हैं।

सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर बिग्रेड की गाड़ी भी मौके पर पहुंच गई जब तक ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया। लेखपाल दीपक सक्सेना मौके पर पहुंचे उन्होंने कहां जिस तरीके से आग लगी है जिसमें काफी नुकसान हुआ है रहने तक के लिए कुछ भी नहीं बचा और खाने के लिए भी कोई भी सामान नहीं बचा है। हम सरकार से इस संबंध में हम अपनी रिपोर्ट सरकार तक पहुंचाने का काम करेंगे और मदद के लिए सरकार से प्रयास करेंगे।

आगजनी की घटना से परिवार काफी सदमे में है वही छोटे-छोटे बच्चों का और रो रो कर बुरा हाल है सरकारी योजनाएं चल रही है हमारे देश के प्रधानमंत्री और माननीय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी हर संभव प्रयास में लगे हुए हैं कि गरीबों की हर तरीके से मदद की जाए परंतु देखा गया है की हर योजनाओं में से केवल गरीब ही पीछे रह जाता है अगर सही तरीके से मदद हुई होती तो आज कमलेश भी आवास योजना का लाभ ले पाते गनीमत यही रही कि कमलेश झोपड़ी के अंदर सो रहे थे और जब आग बढ़ने लगी तो उनकी नींद खुल गई और वह तत्काल झोपड़ी से बाहर निकल गए आग इतनी भीषण थी कि देखते देखते ही सारा सामान जलकर राख हो गया सभी ग्राम वासियों ने मिलकर आग पर काबू पाया वहीं सभी ग्राम वासियों ने मिलकर के

कमलेश के लिए एक परचून का खोखा रखवाया था जिससे वह अपने और अपने बच्चों का पालन पोषण करता था अब स्थिति यह है कि ना तो कमलेश के लिए और उनके बच्चों के लिए रहने और खाने-पीने की कोई भी व्यवस्था नहीं है कमलेश ने शासन और प्रशासन और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से अपने परिवार और अपने बच्चों के लिए खाने पीने की व्यवस्था है और रहने की व्यवस्था के लिए सरकार गुहार लगाई है।

समाजसेवी युवा अपने गांव की बेटियों की शादी में कर रहा है मदद

संतोष सिंह भदोरिया पुष्पांजली टुडे

गोरमी। नगर से 5 किलोमीटर दूर ग्राम राऊ पुरा निवासी युवा समाजसेवी जीत सिंह गुर्जर अपने बुजुर्ग पंडित जय नारायण शर्मा एवं अपने दादा चौधरी ओतार सिंह गुर्जर की प्रेरणा से गांव की बेटियों के कन्यादान में 51 सो रुपए एवं एक दीवार घड़ी एवं मिठाई का डिब्बा देने की घोषणा की है राऊ पुरा गांव के किसी भी समाज की बेटी की शादी में वह इस प्रकार की मदद अभी कर रहे हैं एवं आगे भी जारी रहेगी समाजसेवी जीत सिंह गुर्जर का कहना है पीड़ित शोषित मानवता की सेवा करने में मुझे बड़ा आनंद आता है इसकी प्रेरणा मुझे अपने बुजुर्गों से मिली है खासकर बेटियों की शादी में जो गिलहरी जैसा योगदान दे रहा हूं उससे मुझे बेहद शांति मिलती है आगे मैं इस प्रकार की सेवा का कार्य अपने गांव से आगे बढ़कर अन्य गांव में भी चलाने की सोच रहा हूं गांव में पिछले सप्ताह जिन जिन बेटियों की शादी थी उन बेटियों के घर घर जाकर यह मदद उन्होंने उपलब्ध कराई बेटियां भी उपहार पाकर काफी खुश हुई युवा समाजसेवी की इस पहल को स्थानीय नागरिकों ने काफी अच्छा एवं प्रेरणा दाई बताया इस अवसर पर अवसर पर समाजसेवी सत्यनारायण सिंह गुर्जर ओंकार नाथ सिंह गुर्जर डॉक्टर ओम प्रकाश सिंह नरवरिया वकील सिंह गुर्जर जगजीत नरवरिया बलवीर गुर्जर एवं स्थानीय नागरिक मौजूद थे।

भगवान परशुराम जयंती के उपलक्ष्य में बैठक 23को

भगवान परशुराम जयंती के उपलक्ष में सभी विप्र बन्धुओं को दिनांक 23/04/2022 को होने वाली सर्व ब्राह्मण महा सभा की बैठक का आयोजन शनिवार सुबह 10 बजे भटेले मार्केट इटायली गेट पर किया जा रहा है जिसमें सभी विप्र बन्धु पधारकर परशुराम जयंती के कार्यक्रम की रूपरेखा तय करेंगे। जिस से भगवान परशुराम के कार्यक्रम की भव्यता बढ़ेगी बैठक में पधारकर सहयोग करने के लिए अपील की गई है समस्त जानकारी राहुल खुरासिया द्वारा दी गई।

जिला पंचायत सीईओ शिवपुरी द्वारा प्रधानमंत्री आवास बीसी सोन पाल सिंह को किया सम्मानित

राकेश परिहार, पुष्पांजली टुडे

पिछोर । शिवपुरी की जनपद पंचायत पिछोर में प्रधानमंत्री आवास प्रभारी बीसी सोन पाल सिंह को अच्छे कार्यों के लिए सम्मानित होते रहे है यहां पर बता दे जिस प्रकार से सोनपाल सिंह यादव को कार्य करने की गति है उसी गति को देखते हुए अक्सर इन को सम्मानित किया जाता है और अच्छे कार्यों के लिए जाने जाते हैं ऐसा बताया जाता है कि सोनपाल भावनाओं में ना बहते हुए बताया जाता है शासन के नियम अनुसार ही कार्य कराने में जनपद पंचायत में जाने जाते हैं इस मौके पर जनपद पंचायत सीईओ पी आई एवं जनपद के कर्मचारी मुख्य रूप से सम्मानित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

चिकित्सा महाविद्यालय में शनिवार को क्षय रोग उन्मूलन की एक दिवसीय कार्यशाला

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत शनिवार 23 अप्रैल को एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन शिशु रोग विभाग, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय दतिया द्वारा अधिष्ठाता डॉ दिनेश कुमार उदैनिया के निर्देशन में किया जा रहा है। इस कार्यशाला में देश के ख्यातनाम वक्ता अपना उद्बोधन देंगे। इस कार्यशाला के लिए ग्वालियर से डॉ सी पी बंसल, प्रो डॉ अजय गौर, डॉ रश्मि बंसल , डॉ अजय कुमार जैन मेरठ एवम एम्स भोपाल से डॉ महेश माहेश्वरी और डॉ अंबर कुमार फैकल्टी के रूप में मौजूद रहेंगे। विभागाध्यक्ष डॉ राजेश गुप्ता ने बताया कि देश से 2025 तक क्षय रोग के निर्मूलन का लक्ष्य रखा गया है , इसी तारतम्य में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है जिसमें ग्वालियर संभाग के लगभग 80 चिकित्सकों के भाग लेने की संभावना है।

बाल भवन में अंतर्राष्ट्रीय मातृभूमि दिवस संपन्न

अनिल कुशवाह ब्युरो पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- राज्य आनंद संस्थान द्वारा विशेष चयनित दिवसों पर निरंतर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं?। इसी श्रृंखला में आनंद विभाग की जिला इकाई शिवपुरी की आनंदम टीम द्वारा आज शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय मातृभूमि दिवस कार्यक्रम संपन्न किया?। यह कार्यक्रम शिवपुरी शहर के वीर सावरकर उद्यान में, शहर के वरिष्ठ शिक्षाविद श्री मधुसूदन चौबे की देखरेख में संचालित निशुल्क शिक्षण केंद्र बाल भवन के युवा विद्यार्थियों के बीच किया गया। कार्यक्रम के दौरान डीपीएल प्रेम प्रकाश सिरोलिया द्वारा मातृभूमि का महत्व बताते हुए प्रतिभागियों को बताया गया कि किस प्रकार भूमाता हमें प्राण वायु, जल तथा अन्न एकदम निशुल्क रूप से एवं बिना किसी भेदभाव के निरंतर प्रदान कर रही है और हम इन सब के बदले उसे क्या लौटा रहे हैं, हम अपनी क्षमता अनुसार भूमाता के लिए क्या कर सकते हैं, इस प्रश्न पर शांत बैठ कर चिंतन करने के बाद कुछ छात्र छात्राओं ने अपनी बातें रखीं।

दिनेश विश्वकर्मा तथा रश्मि राठौर ने कहा कि हम नए पेड़ लगा सकते हैं तथा ग्रुप बनाकर इस कार्य के लिए अन्य लोगों को भी जागरूक कर सकते हैं। इसी प्रकार बंटी वाल्मिक तथा मेहरबान सिंह ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हमें अपने आसपास की साफ सफाई का ध्यान रखना चाहिए अपनी कॉलोनी एवं शहर को साफ रखने की पहल करना चाहिए?। अंत में श्री सिरोलिया द्वारा वर्षा की एक्टिविटी कराते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया। इसी प्रकार आनंदम टीम द्वारा एक कार्यक्रम आनंद ग्राम रातौर में भी संपन्न किया जाएगा।

घायल गौमाता का चिकित्सक विजय आंनद ने किया उपचार

पुष्पाजंली टूडे

मैसूरु–चामुंडी पहाड़ की तलहटी स्थित मैसूरु पिंजरापोल सोसाइटी परिसर में घायल गाय का उपचार पशु चिकित्सक विजय आनंद द्वारा किया जा रहा हैं द्य रविवार के दिन गाय कार से टकराने से पिछले दोनों पांवो से लाचार हो कर बुरी तरह घायल हो गई थी द्य गाय आठ माह की गर्भवती थी द्य मरणासन्न स्थिति में गाय को पिंजरापोल लाया गया द्य आज गाय ने दो जुड़वा बच्चों को जन्म दिया द्य गाय के उपचार हेतु सहयोगी वसनाराम धानपुर ने पदाधिकारीयो को आर्थिक सहायता नकद राशि सुपुर्द की गई द्य इस अवसर पर मैसूरु पिंजरापोल सोसायटी में अध्यक्ष सुमतिलाल पगारिया,सचिव विनोद खाबिया,कोषाध्यक्ष अशोक धोका,सदस्य सुशील चौरड़ीया,वसनाराम धानपुर, भीमराज परिहार,विमल बाफ़णा, विक्रम वैदमुथा, सिद्धांत खिवसरा,राजस्थान विष्णु सेवा ट्रस्ट नवयुवक मंडल अध्यक्ष पृथ्वी सिंह चांदावत आदि उपस्थित रहे।

प्रायवेट स्कूल एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी घोषित, धीरज बने उपाध्यक्ष तो जिला कॉर्डिनेटर शिवकुमार गौतम

अनिल कुशवाह ब्युरो पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी–प्रायवेट स्कूल एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अशोक ठाकुर ने कार्यकारिणी का विस्तार किया है। अभी हाल ही में गुरु नानक स्कूल में हुई बैठक में अशोक ठाकुर को जिला अध्यक्ष का प्रभार दिया गया था. इस कार्यकारिणी में संरक्षक मंडल में श्रीनिवास उपाध्याय, गीता दीवान, अनीता सक्सेना, महिपालअरोरा, राजेश गुप्ता को रखा गया है। जिला उपाध्यक्ष के रूप में धीरजशर्मा, ओपी कुशवाह, कृष्ण कुमार जैमिनी, महावीर जैन, लखन अवस्थी को नियुक्त किया है। वहीं सचिव पद पर शिशि भूषण गौड़, सह सचिव तवरेज खान कोषाध्यक्ष जयदीप उपाध्याय, जिला को–आर्डिनेटर पद पर शिवकुमार गौतम, संगठन मंत्री के रूप में सुधीर कुशवाह, यशवंत श्रीवास्तव, बृजेश अग्रवाल, कल्याण धाकड़ को चुना गया। शेष बची कार्यकारिणी जल्द घोषित की जाएगी।

युवाओं को अब मिलने लगा सरकारी नौकरियों का संबल, वर्ष 2021 में 83,119 युवाओं का मिली सरकारी नौकरी

भोपाल। मप्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जो संकल्प लिया है, उसके तहत बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार के अवसर के साथ ही सरकारी नौकरियां दी जा रही हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बीते साल 83 हजार 119 लोगों को नौकरियां दिलाई गई हैं, जिनमें सामान्य और ओबीसी वर्ग के युवा भी शामिल हैं। वहीं प्रदेश में छह साल बाद करीब 25 हजार एससी और एसटी वर्ग के लोगों को नौकरियां मिली है। इनमें अनुसूचित जाति वर्ग के 16,572 और जनजाति वर्ग के 8,789 लोग शामिल हैं। गौरतलब है कि प्रदेश में बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्या है। इस समस्या के समाधान के लिए सरकार ने रोजगार मेलों का आयोजन शरू कर दिया है। सरकारी दावों के अनुसार, इस साल के पहले तीन महीनों में 13 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार दिया गया है। वैसे मप्र में पंजीकृत बेरोजगारों की संख्या 30 लाख 23 हजार से अधिक है। जानकारी के अनुसार करीब 6 हजार आरक्षक और 20 हजार शिक्षकों सहित विभिन्न विभागों में की गई भर्तियों की वजह से नौकरी मिलने वाले युवाओं की संख्या 80 हजार को पार कर गई है। वैसे निजी क्षेत्र में भी सरकार ने युवाओं को नौकरियां दिलाने का प्रयास किया है। मप्र में बेरोजगारी की समस्या का आकलन इसी से लगाया जा सकता है कि यहां हर साल 4 लाख से लेकर 17 लाख तक युवा सरकारी नौकरियां पाने के लिए विभिन्न रोजगार कार्यालयों में अपना पंजीयन कराते हैं।

अम्बाह के भदौरिया पुरा में धुंधकारी व गौकर्ण की कथा सुन भावविभोर हुए श्रोता...

केशब पंडित जी अम्बाह...

अम्बाह...अम्बाह तहसील के भदौरिया पुरा (बरबाई) में चल रही भदौरियापुरा देवभूमि में श्रीधाम मथुरा आश्रम द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन कथावाचक बाल ब्यास ऋषब देव जी महाराज ने गौकर्ण और धुंधकारी की कथा का रसपान कराया। कथावाचक ने कथा में बताया कि तुंगभद्रा नदी के तट पर आत्मदेव नामक एक व्यक्ति रहता था। उसकी पत्नी का नाम धुंधुली था। वह झगड़ालू किस्म की थी। संतान न होने के कारण पति परेशान रहता था। बुढ़ापे में संतान का मुख देखने को नहीं मिलेगा तो पिंडदान कौन करेगा।

कथावाचक ने आगे बताया कि वह आत्मदेव दुखी मन से आत्महत्या के लिए कुआं में कूदने वाला था तभी एक ऋषि ने उसे बचा लिया। ऋषि ने पूछा क्यों आत्महत्या करने जा रहे हो। इसके बाद ऋषि की बात को सुनकर आत्मदेव ने कहा ऋषिवर मेरे एक भी संतान नहीं है। इसके अलावा मैंने गाय पाल रखी है। गाय के भी संतान नहीं है। इस कारण आत्महत्या करने का कदम उठाया। यह सुनकर ऋषि ने अपने

थैले से फल निकालकर कहा कि तुम यह फल अपनी पत्नी को खिला देना, इससे एक संतान की प्राप्ति होगी।घर जाकर आत्मदेव ने फल अपनी पत्नी को दिया, लेकिन पत्नी ने सोचा कि अगर गर्भवती वो गई तो 9 महीने तक कहीं आने-जाने का मौका नहीं मिलेगा। अंततः उसने फल को नहीं खाया। एक दिन उसकी बहन घर आई। उसने सभी किस्सा बहन को सुनाया। बहन ने कहा मैं गर्भवती हूं। प्रसव होने पर बच्चा तुम्हें दे दूंगी। तुम ये फल गाय को खिला दो। आत्मदेव की पत्नी ने अपनी बहन की बात में आकर फल गाय को खिला दिया। कुछ दिन के बाद धुंधुली को उसकी बहन ने बच्चा दे दिया। इसके बाद संतान को देखकर आत्मदेव बड़ा खुश हुआ। बच्चे का नाम एक विद्वान पंडित ने धुंधकारी रख दिया। इसके बाद गाय ने भी एक बच्चे को जन्म दिया जो मनुष्याकार था पर उसके कान गाय के समान थे। उसका नाम गोकर्ण रख दिया ।

श्री वेदांती जी महाराज ने आगे बताया कि गोकर्ण और धुंधकारी दोनों गुरुकुल गए। गुरुकुल में अपना कार्य खुद करना पड़ता है। इस बीच धुंधकारी नशेड़ी, चोर निकल गया। एक दिन उसने अपनी माता को मार डाला। पिता व्यथित होकर वन चले गए। धुंधकारी वेश्याओं के साथ रहने लगा। वेश्याओं ने एक दिन धुंधकारी को मार डाला। मरने के बाद धुंधकारी भूत-प्रेत बन गया। धुंधकारी का भाई अपने घर में सोया रहता था, तभी प्रेत धुंधकारी ने आवाज लगाई कि भाई मुझे इस योनि से छुड़ाओ। गौकर्ण त्रिकाल संध्या की पूजा करते थे। तभी सूर्यनारायण भगवान से पूछते हैं कि इसके लिए क्या उपाय करना पड़ेगा। सूर्यनारायण ने कहा कि तुम सात गांठ बांस मंगाओ और भागवत का आयोजन करो। हर दिन बांस की गांठ धीरे-धीरे फट जाती है, जो सात दिन फटती है। तब पवित्र होकर धुंधकारी एक दिव्य रूप धारण करके सामने खड़ा हो जाता है।

मप्र में नहीं सुधरेंगे रिश्वतखोर

- लोकायुक्त ने 6 हजार रिश्वत लेते रीडर को रंगे हाथों पकड़ा
- इधर महिला एंव बाल विकास अधिकारी 5 हजार घूस लेते गिरफ्तार

भोपाल। मध्यप्रदेश में रिश्वतखोरी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला पन्ना और बालाघाट जिले से सामने आया है। पन्ना जिले के पवई तहसील में सागर लोकायुक्त की टीम ने छापेमार कार्रवाई की है। लोकायुक्त ने करीब 6 हजार की रिश्वत लेते रीडर को रंगे हाथों पकड़ा है। कल्दा कोर्ट में पदस्थ रीडर अवधेश पाण्डेय ने गरीबी रेखा कार्ड बनाने की एवज में फरियादी राम अवतार रजक से रिश्वत मांगी थी। इधर बालाघाट जिले में महिला एंव बाल विकास परियोजना अधिकारी दक्षदेव शर्मा को चयनित आंगनबाड़ी सहायिका को नियुक्ति पत्र देने के एवज में 5 हजार रूपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। पन्ना के फरियादी राम अवतार रजक निवासी ग्राम सुनवानी ने बताया कि वह गरीबी रेखा के राशन कार्ड के लिए दो साल से चक्कर लगा रहा है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही थी। फिर बात की तो 6000 रुपए में राशन कार्ड बनाने को कहा। इसके पहले दो हजार रुपए दे चुके है, लेकिन फार्म ऑफिस से गुम बता दिया। तब दोबारा फार्म भरा और 6000 रुपए देते हुए ट्रेप करा दिया। पन्ना जिले में रिश्वत खोरी इस कदर चरम पर है कि पैसे लेने के बाद भी काम नहीं करते। मजबूरी में लोग लोकायुक्त की शरण लेने को मजबूर हो रहे हैं। बालाघाट जिले के बैहर में पदस्थ महिला एंव बाल विकास परियोजना अधिकारी दक्षदेव शर्मा को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। चयनित आंगनबाड़ी सहायिका ममता मरकाम निवासी ग्राम हिर्री लुद को नियुक्ति पत्र देने के एवज में 5 हजार की घूस मांगी थी।

मध्यप्रदेश को झटका: एफसीआई ने पाया अमानक, पिछले साल बारिश में भीग गया था गेहूं

केंद्र ने 18 लाख टन गेहूं लेने से किया इन्कार

मध्य प्रदेश को समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के बीच बड़ा झटका लगा है। केंद्र सरकार ने पिछले साल खरीदा गया 18 लाख टन गेहूं लेने से इन्कार कर दिया है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने इसे अमानक पाया है। दरअसल, पिछले साल उपार्जन के समय बारिश हो गई थी, जिसमें गेहूं भीग गया था। किसानों को नुकसान न हो, इसलिए सरकार ने गेहूं खरीद लिया था। इसके लिए केंद्र सरकार से विशेष अनुमति भी ली गई थी लेकिन निर्धारित मापदंड उससे अधिक चमकविहीन गेहूं ले लिया गया, जो मान्य नहीं है। अब सरकार इस गेहूं को भी नीलाम करेगी।

भोपाल। पिछले साल एक हजार 975 रुपये प्रति क्विंटल की दर से सरकार ने 128 लाख टन गेहूं का उपार्जन किया था। करीब 30 लाख टन गेहूं ऐसा था, जो चमकविहीन था। इसमें 12 लाख टन गेहूं तो एफसीआइ ने स्वीकार कर लिया लेकिन 18 लाख टन गेहूं लेने से इन्कार कर दिया।

साढ़े छह लाख टन गेहूं पहले भी लेने से किया जा चुका है मना

इसके पहले भी 2019-20 में खरीदे गए लगभग साढ़े छह लाख टन गेहूं लेने से मना कर दिया था। प्रतिवर्ष उपार्जन के लिए केंद्र सरकार द्वार लक्ष्य निर्धारित किए जाते हैं। इसमें यह शर्त भी रहती है कि उपार्जन के पहले सरकार बोनस या प्रोत्साहन देने संबंधी कोई कदम नहीं उठाएगी क्योंकि इसका असर बाजार पर पड़ता है। कमल नाथ सरकार ने 160 रुपये प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की थी। इसे केंद्र सरकार ने बोनस माना और काफी विचार-विमर्श के बाद 67.25 लाख टन गेहूं सेंट्रल पूल में लेने के लिए

तैयार हुई। सत्ता परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य हित में बचे हुई गेहूं को सेंट्रल पूल में लेने का अनुरोध भी किया लेकिन नीतिगत मामला होने की वजह से बात नहीं बनी। आखिरकार सरकार को इसे नीलाम करने का निर्णय लेना पड़ा। अभी तक सरकार 12 लाख 25 हजार टन गेहूं नीलाम कर चुकी है। साढ़े सात लाख टन गेहूं की नीलाम प्रक्रिया हो गई है। नागरिक आपूर्ति निगम ने अंतिम स्वीकृति के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा है। नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक तरुण कुमार पिथौड़े का कहना है कि एफसीआइ द्वारा गेहूं को अमान्य किए जाने के बाद अब इसके संबंध में सरकार द्वारा अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

एफएक्यू के अनुकूल नहीं पाया गया गेहूं

दरअसल, शिवराज सरकार ने किसानों को नुकसान से बचाने के लिए केंद्र सरकार से चमकविहीन गेहूं लेने के प्रविधान में छूट की विशेष अनुमति ली थी।इस प्रतिशत तक चमकविहीन गेहूं को मान्य किया गया था लेकिन 18 लाख टन गेहूं में यह प्रतिशत अधिक पाया गया है। बारिश के कारण दाना भी छोटा हो गया था,इसके कारण निगम ने इसे अमानक करार देते हुए सेंट्रल पूल में लेने से मना कर दिया। केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित गुणवत्ता के मापदंड एफएक्यू (औसत गुणवत्ता वाला दाना) के अनुकूल न होने के कारण गेहूं लेने से इंकार कर दिया गया है।

शिक्षा विभाग की नई योजना,हर एक को मुफ्त में पढ़ाएगे

नवसाक्षर अभियान चलाया, सर्वे में सामने आए हजारों निरक्षर

भोपाल। मोबाइल के जमाने में आज भी एक वर्ग ऐसा है जो कि बिल्कुल भी पढ़ा-लिखा नहीं है। आधुनिक दौर में ये स्थिति चिंता का विषय है। शिक्षा विभाग ने नवसाक्षर अभियान के तहत अपने सर्वे में 12 हजार लोगों को चिन्हित किया है जो कि बिल्कुल भी पढ़ना-लिखना नहीं जानते हैं। वर्तमान में सर्वे जारी है कि अधिकारियों ने अनुसार संख्या 20 हजार के आसपास जा सकती है। ऐसे हर एक को निःशुल्क पढ़ना-लिखना सिखाया जा रहा है। इस संख्या में सबसे अधिक संख्या महिलाओं की है। दरअसल, शिक्षा विभाग पढ़ना-लिखना अभियान चलाता है। इसके तहत 15 वर्ष से बुजुर्ग तक को चिन्हित किया जाता है, जो बिल्कुल भी पढ़ना-लिखना नहीं जानते। वर्ष 2019 से अभियान बंद है, अब फिर से इसे शुरू किया गया है। अभियान के तहत एक माह पहले 12 हजार लोगों को चिन्हित किया गया। उन्हें स्कूलों में प्राथमिक शिक्षा देना शुरू की गई है। अभियान को नई शिक्षा नीति के तहत नवसाक्षर अभियान में मर्ज किया गया है। 12 हजार के साथ नए लोगों को भी इसमें जोड़ा जाएगा। बताया जाता है कि यह संख्या 20 हजार तक पहुंच सकती है।

90 प्रतिशत महिलाएं, पढ़ने का उत्साह भी इन्हीं में

कुल निराक्षर लोगों में 90 प्रतिशत महिलाएं सामने आई हैं, इन्हीं में सबसे ज्यादा साक्षर होने का उत्साह देखा जा रहा है। महिलाएं पढ़ने-लिखने के लिए आगे आ रही हैं। कई महिलाओं में सुधार भी आया है। अभियान से बड़ी उम्र के लोग भी जुड़ रहे हैं। पढ़ाई पूरी तरह निःशुल्क है। विभाग की ओर से हर एक को एक स्लेट और चॉक भी दिया जा रहा है।

ग्रुप बनाकर सिखाएंगे कलम चलाना

मार्च में प्राथमिक तौर पर पढ़ाना शुरू किया गया। अब इसे वृहद स्तर पर शुरू किया जाएगा। अभियान जिले के ग्रामीण क्षेत्र के साथ ही शहरी क्षेत्र में चलेगा। संबंधित क्षेत्र के स्कूल को नोडल बनाया जाएगा। गांव के ही पढ़े-लिखे युवक-युवतियां या पढ़े लिखे अन्य व्यक्तियों की मदद ली जाएगी। ग्रुप बनाकर पढ़ाई शुरू होगी। ग्रुप में शामिल लोगों के हिसाब से कक्षा का समय तय किया जाएगा। कक्षाओं की निगरानी राज्य शिक्षा केंद्र करेगा।

प्राथमिक साक्षरता प्रमाण-पत्र भी मिलेगा

पढ़ाने वाले से लेकर पढ़ने वालों की जानकारी और रजिस्ट्रेशन प्रौढ़ शिक्षा ऐप पर होगा। हर स्तर की मॉनिटरिंग ऐप से की जाएगी। साल में भी तीन बार परीक्षा होगी। पढ़ना-लिखना और हस्ताक्षर सिखाने के बाद हर एक को साक्षरता प्रमाण-पत्र दिया जाएगा, जो इस बात का सबूत होगा कि संबंधित पढ़ना-लिखना जानता है।

बगैर नोटिस दिए चलाया जा रहा बुलडोजर : कमलनाथ

रतलाम। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ ने शुक्रवार को सुबह रतलाम में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि वर्तमान में भाजपा की सरकार गलत उद्देश्य व बगैर नोटिस दिए बुलडोजर चला रही है। हमने तो माफिया के खिलाफ बुलडोजर चलाया था व पहले नोटिस दिए थे। हम पर प्रेशर भी आया था, लेकिन हमने माफियाओं के खिलाफ निरंतर करवाई की। भाजपा को अपनी असफलता छिपाने के लिए मुद्दा चाहिए। मध्य प्रदेश में अनेक कमियां व खामियां है। बेरोजगारी व भ्रष्टाचार बड़ा मुद्दा है, लेकिन इसके लिए भाजपा के पास जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर आते हैं तो उनके अनुभवों का लाभ लेंगे, कांग्रेस पार्टी किसी पर निर्भर नहीं है।

कमल नाथ ने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी ने दो करोड़ लोगों को रोजगार देने का कहा था, कहां है रोजगार? एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कमल नाथ ने कहा कि कांग्रेस का घर-घर चलो अभियान सफल रहा है। हां कुछ जगह जरूर असफल रहा है, जिसे हम स्वीकार करते हैं। अभियान 30 जुन तक बढ़ाया गया है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि कांग्रेस धर्म का राजनीति में उपयोग नहीं करती है। हमारा देश विभिन्नताओं का देश है। भारत जैसे दुनिया मे कोई देश नहीं है। हमारी

पायलट प्रोजेक्ट के बाद अब देवारण्य योजना पूरे प्रदेश में लागू

प्रदेश में मनरेगा के तहत होगी औषधीय पौधों की खेती

भोपाल। प्रदेश में औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने एवं उसके माध्यम से किसानों के आर्थिक उन्नयन के लिए पायलट प्रोजेक्ट के तहत लागू की गई देवारण्य योजना लागू की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषकर अनुसूचित जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों में पारिस्थितिकीय तंत्र के अनुसार अनुकूल क्षेत्रों की पहचान कर पेशेवर तरीके से औषधीय पौधों की खेती की जानी है। इसका क्रियान्वयन मनरेगा के माध्यम से होगा। शुरुआती दौर में यह योजना सतना सहित प्रदेश के पांच जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के तहत लागू की गई थी। सतना में 6 प्रोजेक्ट चिन्हित किए गए थे।

प्रदेश को 11 पादप उत्पादक क्षेत्रों में बांटा

देवारण्य योजना के तहत औषधीय पौधों की खेती के लिए प्रदेश को 11 विशेष पादप उत्पादक क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, जो जलवायु क्षेत्र पर आधारित हैं। सतना जिला कैमूर प्लेटो सतपुड़ा हिल्स जलवायु क्षेत्र में आता है। इसमें सतना के अलावा रीवा, पन्ना, जबलपुर, सिवनी एवं कटनी जिले आते हैं। जो

अन्य जलवायु क्षेत्र हैं उनमें छत्तीसगढ़ प्लेन, नार्दन हिल्स रीजन ऑफ छत्तीसगढ़, सेन्ट्रल नर्मदा वैली,विन्ध्या प्लेटो, गिर्द रीजन, बुन्देलखंड, सतपुड़ा प्लेटो, मालवा प्लेटो, निमाड़ प्लेन और झाबुआ, हिल्स शामिल हैं।

कैमूर प्लेटो में इनकी होगी खेती

कैमूर प्लेटो में आने वाले सतना सहित अन्य जिलों में देवारण्य योजना के तहत जिन औषधीय फसलों की खेती होनी है उनमें अश्वगंधा, कालमेघ ऐलोवेरा, ईसबगोल, तुलसी, सफेद मूसली, स्टीविया, कोलियस, सर्पगंधा एवं निरगुंडी है। इसी तरह से नार्दन हिल्स रीजन ऑफ छत्तीसगढ़ प्लेन में आने वाले सिंगरौली, शहडोल, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, उमरिया में गुलबकावली, अश्वगंधा, तुलसी शतावरी, अर्जुन, कुटकी, नागरमोथा, लेमनग्रास, भल्लातक, स्टीविया, चंदन एवं गिलोय शामिल हैं।

गठित होगी देवारण्य सेल

देवारण्य योजना के क्रियान्वयन के लिए राज्य व जिला स्तर पर देवारण्य सेल गठित की जाएगी। राज्य स्तरीय सेल गठित हो चुकी है। जिला स्तर पर अब इसे गठित किया जाना है। यह सेल किसानों को औषधीय पौधों की खेती का प्रशिक्षण देना, क्षमता वर्धन सहित उत्पाद विक्रय आदि में मदद करेगी। खेती के लिये किसानों के समूह या कृषक उत्पादक संगठन के रूप में पंजीयन किया जाएगा।

उपलब्ध कराया जाएगा बाजार

बताया गया है कि उत्पादित होने वाले औषधीय फसल के लिये बाजार भी उपलब्ध कराया जाएगा। इस योजना के क्रियान्वयन के लिये वन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, उद्यानिकी विभाग, कृषि विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, ग्रामोद्योग विभाग और पर्यटन विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करेंगे।

हेलीकॉप्टर से दुल्हन लेने पहुंचा दूल्हा

मंदसौर। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में बारात का अनोखा रिवाज चर्चा का विषय बना हुआ है. यहां दूल्हा यशवंत धाकड़ अपनी दुल्हन भावना को लेने हेलिकॉप्टर से आया. यशवंत संपन्न किसान रमेश धाकड़ के बेटे हैं. इनकी गांव में 24 बीघा से ज्यादा जमीन और किराने की दुकान है. ये अनोखी बारात अफजलपुर थाना इलाके के बड़वन गांव में निकली. इस बारात को ले जाने के लिए साढ़े सात लाख से ज्यादा रुपये खर्च हुए। 9वीं कक्षा तक पढ़े रमेश धाकड़ के यशवंत एक ही बेटे हैं. उनकी शादी वो धूमधाम से करना चाहते थे. वे नहीं चाहते थे कि इस शादी में कोई कमी रह जाए. इस शादी में बुलाए गए मेहमानों को भी अनोखी गिफ्ट दी गई. रमेश ने सभी को भगवान श्री राम और माता सीता की तस्वीर दी. परिजनों ने बताया कि रमेश धाकड़ ने जब बेटे यशवंत की शादी का सोचा तो उसी वक्त तय कर लिया था कि कुछ अनोखा करेंगे। बहुत कुछ सोचने के बाद तय किया कि बेटा दुल्हन को लेने हेलीकॉप्टर से जाएगा। बेटे ने कहा पिताजी स्कॉर्पियो में बारात ले जाना, पिताजी ने हेलीकॉप्टर से बारात भेजी, मंदसौर के बड़वन गांव से बारात रतलाम जिले के रियावन पहुंची।

भावुक पिता ने कही ये बात

अपनी अनोखी शादी से खुश यशवंत दुल्हन भावना को लेने गुरुवार शाम 5 बजे बड़वन से रियावन तहसील पहुंचे. शुक्रवार दोनों हेलीकॉप्टर से ही पहुंचेगें. इस मौके पर दूल्हे के पिता रमेश धाकड़ ने बताया कि यशवंत उनका एक ही बेटा है.पिता रमेश ने कहा कि जब बड़े-बड़े लोग बच्चों की शादी अलग तरीके से कर सकते हैं, तो मैं क्यों नहीं. एक किसान भी बेहतर तरीके से शादी कर सकता है. रमेश को हेलीकॉप्टर से बारात ले जाने के लिए साढ़े सात लाख रुपये से ज्यादा खर्च करना पड़ेगा।

प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या 50 से ज्यादा, 11 अप्रैल को थे 51

भोपाल। त्योहारों और शादी के इस सीजन में कोरोना वायरस एक बार पुनः अपना असर दिखाने लगा है। धीरे-धीरे राजधानी सहित प्रदेश भर में मरीजों की संख्या एक बार पुनः बढ़ने लगी है।कोरोना वायरस के सक्रिय मरीजों की संख्या बुधवार को पचास के पार हो गई। बीते बुधवार को यह संख्या इक्यावन थी। इन मरीजों में 20 इंदौर में और पांच भोपाल में उपचाररत हैं। हालांकि अच्छी बात यह है कि इनमें एक छोड़ बाकी सभी मरीज होम आइसोलेशन में हैं। 14 संदिग्ध मरीजों का इलाज भी प्रदेश के विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है।

प्रदेश में बुधवार को कोरोना के 15 मरीज मिले हैं, इनमें नौ इंदौर के हैं। 7,771 सैंपलों की जांच में यह मामले सामने आए हैं। संक्रमण दर भी बढ़कर 0.1 प्रतिशत हो गई है। यह जानकारी स्वास्थ्य विभाग द्वारा गुरुवार को जारी हेल्थ

बुलेटिन में सामने आई है। भोपाल में गुरुवार को 437 सैंपलों की जांच में कोरोना के तीन मरीज मिले हैं, जबकि बुधवार को एक मरीज ही मिला था। मंगलवार को 346 सैंपलों की जांच में कोई मरीज नहीं मिला था। हेल्थ बुलेटिन के अनुसार बुधवार को मिले मरीजों में इंदौर में नौ, शिवपुरी में दो और भोपाल जबलपुर, कटनी और रायसेन में एक-एक मरीज शामिल है।देश के कई राज्यों में कोरोना के मरीजों की संख्या और संक्रमण दर दोनों में इजाफा हुआ है।

उधर ओमिक्रोन के एक्सई वैरिएंट के चलते मध्य प्रदेश में भी अलर्ट जारी किया गया है, लेकिन हकीकत में सिर्फ कागजी है। भीड़भाड़ में भी लोग मास्क नहीं लगा रहे है। ऐसे में कोरोना का खतरा बढ़ने का डर है। हमीदिया अस्पताल के छाती एवं श्वास रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉक्टर लोकेंद्र दवे ने कहा कि जिन लोगों ने कोरोना का टीका लगवाया है, उन्हें 60 प्रतिशत तक तो कोरोना से पूरी तरह से सुरक्षा मिल जाती है। ऐसे में जिन्होंने टीका नहीं लगाया है उन्हें देरी नहीं करनी चाहिए।

देश के कुछ राज्यों में कोरोना मरीजों की संख्या और संक्रमण दर बढ़ी है। इसके बाद भी लोग टीका लगवाने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। भोपाल में 12 से 14 साल तक के 86 हजार बच्चों को टीका लगाने का लक्ष्य था। 25 मार्च से इन्हें पहली डोज लगाने की शुरुआत हुई थी। अभी तक 48 हजार 761 लोगों ने ही पहली डोज लगवाई है। बुधवार से इन्हें दूसरी डोज लगनी भी शुरू हो गई है। कम टीकाकरण के लिए स्वास्थ्य विभाग स्कूल शिक्षा विभाग को जिम्मेदार ठहरा रहा है।स्कूलों और अस्पतालों में दूसरी डोज लगाई जा रही है। हर दिन 150 से 200 स्कूलों को टीकाकरण केंद्र बनाया जाएगा। इसके लिए दो दिन पहले ही स्कूलों को चिन्हित कर लिया जाता है। इसके बाद वहां पर पंजीकृत बच्चों को टीकाकरण के लिए बुलाने की जिम्मेदारी स्कूल प्रबंधन की होती है। आनलाइन बुकिंग के साथ ही मौके पर पहुंचकर भी टीका लगवाया जा सकता है।

देवास जिला अस्पताल से 2 दिन की बच्ची चोरी

देवास। जिला अस्पताल में गुरुवार रात को वार्ड से बच्ची चोरी हो गई। शाजापुर जिले की महिला को डिलीवरी के लिए जिला अस्पताल में भर्ती किया था। 20 अप्रैल को महिला ने बेटी को जन्म दिया। गुरुवार करीब 3 बजे बच्ची वार्ड से चोरी हो गई। घटना के बाद स्वजन ने हंगामा कर दिया। अस्पताल के बाहर और एबी रोड पर चक्काजाम कर दिया। वार्ड में सीसीटीवी कैमरे में भी नहीं लगे हैं। जिससे अब कुछ पुलिस के हाथ में कोई सुराग नहीं लगा है। घटना के बाद एसपी से लेकर एसडीएम जिला अस्पताल पहुंचे और स्वजन से चर्चा की।टीना वर्मा पति विशाल वर्मा निवासी शाजापुर को जिला अस्पताल में डिलीवरी के लिए भर्ती करवाया था। टीना ने 20 अप्रैल को बेटी को जन्म दिया था। इसके बाद टीना वर्मा को वार्ड में भर्ती किया गया था। गुरुवार रात करीब 2 बजे तक बच्ची स्वजन के बाद थी। अचानक 3 बजे गायब हो गई। स्वजन ने आसपास ढूंढा, लेकिन बच्ची नहीं मिली। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। स्वजनों का आरोप है कि वार्ड के आसपास कैमरे भी नहीं लगे हैं।

सुपर फॉर्मूला कार रेसिंग चैंपियनशिप नोएडा में दौड़ेगी इंदौर की कार

इंदौर। 22 अगस्त से नोएडा में होने जा रहे सुपर फॉर्मूला कार रेसिंग चेंपियनशिप में इंदौर के एक निजी कॉलेज की टीम का सिलेक्शन हो गया है। टीम की फॉर्मूला रेसिंग कार तैयार है। ये कार इंदौर में ही बनायी गयी है और इसमें खास टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। इससे एयर पॉल्यूशन नहीं होगा। इसके लिए इंजन में कैथेलेटिक कनवर्टर का इस्तेमाल किया गया है।

सुप्रा एसएई इंडिया-2022 कॉम्पटीशन, सोसाइटी ऑफ ऑटोमोटिव इंजीनियर्स और कई ऑटोमोबाइल कंपनी मिलकर कर रही हैं। नोएडा के बुद्धा इंटरनेशनल ट्रैक पर यह रेस होगी. इस कॉम्पिटिशन में देशभर की IIT और NIT को मिलाकर 110 से ज्यादा टीमें शामिल हो रही हैं. उसमें इंदौर के एक निजी कॉलेज के स्टूडेंट्स की टीम की फॉर्मूला कार भी दौड़ती हुई नजर आएगी।

कम बजट में फॉर्मूला कार

कार का वजन और बजट कम करने के लिए मैकेनिज्म से लेकर महत्वपूर्ण उपकरण तक कॉलेज में ही तैयार किए हैं. उसमें इस्तेमाल होने वाले अपराइड, हब, रोल केस और एक्जॉस्ट जैसे महत्वपूर्ण पार्ट्स कॉलेज लैब में ही तैयार किए हैं. कार तैयार करने के लिए 7 लाख रुपए का बजट बनाया था. लेकिन इसके पार्ट कॉलेज में ही तैयार किए गए इसलिए कार उससे भी कम सिर्फ 4.5 लाख रुपए में बन गयी. हालांकि, ट्रायल के बाद कार में कुछ बदलाव करना है।

खरगोन हिंसा: पुलिस ने बताया हत्या का कारण कोई पुरानी रंजिश नहीं, बल्कि धार्मिक उन्माद ही है

इब्रेश की हत्या के मामले में बड़ा एक्शन, 5 आरोपी गिरफ्तार, 3 फरार

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले में इब्रेश उर्फ सद्दाम खान की मौत के मामले में पुलिस ने गुरुवार को 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। सद्दाम की मौत रामनवमी पर हुई सांप्रदायिक हिंसा में हुई थी. इस हत्या के तीन आरोपी अभी भी फरार हैं. पुलिस ने बताया कि हत्या का कारण कोई पुरानी रंजिश नहीं, बल्कि धार्मिक उन्माद ही है. पुलिस इस मामले में अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। प्रभारी पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने बताया कि इब्रेश की हत्या के आरोप में आनंद नगर इलाके के संदीप, दिलीप,

अजय, दीपक प्रधान और अजय कर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है. इस मामले में तीन आरोपी फिलहाल फरार हैं. हत्या की वजह पुरानी रंजिश नहीं है, धार्मिक उन्माद है. पथराव के चलते विभिन्न सबूतों के आधार पर आरोपियों की शिनाख्त की गई और उन्हें आनंदनगर और रहीमपुरा इलाके से गिरफ्तार किया गया। गौरतलब है की परिजनों ने भी हिंसा में मौत का आरोप लगाया था।

परिजनों ने दर्ज कराई थी गुमशुदगी

गौरतलब है कि सद्दाम की मौत रामनवमी पर 10 अप्रैल को ही हो गई थी. 11 अप्रैल को उसकी लाश कपास मंडी आनंद नगर में मिली थी. वह नगर पालिका का सफाई कर्मचारी था. चूंकि, उस वक्त उसकी लाश की शिनाख्त नहीं हो सकी, तो कफ़न दे के चलते पोस्टमॉर्टम कराकर शव को इंदौर के अस्पताल भेज दिया गया था. इब्रेश के परिजनों ने 14 अप्रैल को कोतवाली थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी. 17 अप्रैल को पुलिस ने परिजनों से उसकी शिनाख्त कराई और 18 अप्रैल को शव उन्हें सौंप दिया. पुलिस ने परिजनों को बताया कि इब्रेश के सिर में चोट आई थी. बता दें, इब्रेश की मौत के बाद परिजनों में रोष था. पुलिस ने अज्ञात लोगों पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया था.

हिंसा का एक और आरोपी गिरफ्तार

खरगोन में रामनवमी पर हुई सांप्रदायिक हिंसा के मामले में पुलिस ने उपद्रव में शामिल एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है. उसकी गिरफ्तारी इंदौर के चंदनगर से हुई है. इस आरोपी पर एनएसए के तहत कार्रवाई की गई है. पुलिस के मुताबिक, सेजू उर्फ फिरोज पान वाला शहर में पथराव कराने वाला मास्टरमाइंड था. आरोपी को पुलिस ने विडियो फुटेज के आधार पर पकड़ा है. खरगोन में उपद्रव के बाद तीसरे व्यक्ति पर पुलिस ने एनएसए की कार्रवाई की है।

संक्षिप्त समाचार

शहर के सभी जनमित्र केन्द्रों, क्षेत्रीय कार्यालयों और लोक सेवा केन्द्रों पर 25 अप्रैल से

निःशुल्क बनेंगे आयुष्मान कार्ड , कलेक्टर एवं निगम आयुक्त ने बैठक लेकर दिए निर्देश

ग्वालियर। आयुष्मान भारत योजना के तहत जरूरतमंद लोगों को पाँच लाख रूपए प्रति परिवार के मान से सुरक्षा कवच प्रदान किया गया है। योजना के तहत चयनित अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड धारक को पाँच लाख रूपए तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध होता है। योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिले, इसके लिये शहरी क्षेत्र में सभी 26 जनमित्र केन्द्रों, 25 नगर निगम के क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ ही 5 लोक सेवा केन्द्रों पर 25 अप्रैल से प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य किया जाएगा। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में आयुष्मान कार्ड तैयार करने के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल सहित नगर निगम के अपर आयुक्त श्री मुकुल गुप्ता एवं स्वास्थ्य विभाग के कार्यक्रम अधिकारी एवं निगम के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में शहरी क्षेत्र में आयुष्मान कार्ड तैयार करने का कार्य तेजी से करने के निर्देश दिए। इसके लिये नगर निगम के सभी जनमित्र केन्द्रों, क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ ही लोक सेवा केन्द्रों पर भी निःशुल्क आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है। नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल ने बताया कि 25 अप्रैल को प्रातः 10.30 बजे से बाल भवन के सभाकक्ष में क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर के मुख्य आतिथ्य में आयुष्मान कार्ड तैयार करने की एक कार्यशाला भी आयोजित की जायेगी। जिसमें जनप्रतिनिधियों सहित विभागीय अधिकारी शामिल होंगे। 25 अप्रैल को बाल भवन में भी निःशुल्क आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य किया जायेगा। इसके साथ ही आयुष्मान कार्ड तैयार करने के संबंध में जन जागरूकता के लिये विशेष प्रचार अभियान भी चलाया जायेगा। बैठक में जानकारी दी गई कि आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य निःशुल्क करने का निर्णय शासन द्वारा किया गया है। इसके लिये व्यक्ति को कार्ड बनाने हेतु समग्र आईडी, आधारकार्ड के साथ स्वयं उपस्थित होना अनिवार्य है। परिवार के प्रत्येक सदस्य के कार्ड पृथक-पृथक बनेंगे। आधार कार्ड के साथ-साथ ड्रायविंग लायसेंस, जन्म प्रमाण-पत्र अथवा कोई भी शासकीय परिचय पत्र जिसमें फोटो लगा हो, लेकर हितग्राही आ सकता है।

स्मार्ट सिटी के कार्यों की कलेक्टर ने की विस्तार से समीक्षा

स्मार्ट प्रोजेक्टों के रख-रखाव के लिये एक कमेटी गठित

ग्वालियर। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने स्मार्ट सिटी के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शहर में स्मार्ट सिटी के तहत जो कार्य पूर्ण किए गए हैं, उसकी देखरेख भविष्य में किस प्रकार होगी, इस पर भी गंभीरता से विचार किया जाए और कार्ययोजना बनाकर उसको अमलीजामा पहनाया जाए। कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित स्मार्ट सिटी के कार्यों की समीक्षा बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल सहित स्मार्ट सिटी से जुड़े अधिकारी और निर्माण एजेन्सी के लोग शामिल हुए। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि स्मार्ट सिटी द्वारा जो प्रोजेक्ट पूरे किए गए हैं उनकी वर्तमान में देखरेख संबंधित निर्माण एजेन्सी कर रही है। निर्धारित अवधि के पश्चात उन कार्यों की देखरेख किस प्रकार होगी, इस पर भी अभी से विचार और कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों से राजस्व संग्रहण किया जा सकता है उससे अवश्य किया जाए। उक्त पैसे को अलग खाते में रखा जाए ताकि भविष्य में संधारण के कार्य में उसको व्यय किया जा सके। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने यह भी कहा कि स्मार्ट सिटी द्वारा जिन इमारतों पर फसाड लाईट की गई है उनके विद्युत देयकों का भुगतान वर्तमान में स्मार्ट सिटी द्वारा किया जा रहा है। महाराज बाड़े पर जिन भवनों पर फसाड लाईटिंग की गई है उन विभागीय अधिकारियों के साथ भी बैठक आयोजित कर विद्युत देयकों के संबंध में चर्चा की जाए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने यह भी कहा कि स्मार्ट सिटी के सभी कार्यों के संचालन एवं संधारण के लिये एक कमेटी भी बनाई जाए। जिसमें एडिशनल एसपी, एडीएम, अपर आयुक्त नगर निगम, कार्यपालन अधिकारी पीएचई, कार्यपालन अधिकारी एनएचआई को रखा जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने निगम आयुक्त से यह भी कहा कि वे प्रत्येक प्रोजेक्ट के लिये निगम की ओर से भी एक नोडल अधिकारी तैनात करें, ताकि भविष्य में निगम को संधारण एवं संचालन का कार्य करना पड़े तो किसी प्रकार की दिक्कत न आए। कंट्रोल कमाण्ड सेंटर की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि सेंटर का उपयोग अन्य विभागों के लिये किस प्रकार उपयोगी हो सकता है उस पर भी कार्य किया जाए। विभिन्न प्रोजेक्टों और योजनाओं के क्रियान्वयन में कंट्रोल कमाण्ड सेंटर अपनी सार्थक भूमिका निभाए, इस दिशा में विशेष प्रयास किए जाएं। बैठक में यह भी कहा गया कि स्मार्ट सिटी द्वारा तैयार किए गए डिजिटल म्यूजियम, तारा मण्डल, डिजिटल लाइब्रेरी, उद्यान एवं अन्य कार्यों की एप्रोच को और अधिक व्यवस्थित किया जाए। इसके साथ ही शहर में स्मार्ट सिटी द्वारा किए गए कार्यों का व्यापक प्रचार-प्रसार भी हो। डिजिटल प्लेटफार्म पर भी स्मार्ट सिटी की जानकारी और शहर विकास में किए गए कार्यों की विस्तृत डिटेल भी डाली जाए ताकि अधिक से अधिक लोग उसका अवलोकन कर सकें। स्मार्ट सिटी द्वारा वीर सावरकर सरोवर (कटोरातल) पर स्थापित किए गए म्यूजिकल फाउण्टेन का अधिक से अधिक लोग आनंद ले सकें, इसके लिये वहाँ पर व्यवस्थित बैठक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही एंट्री प्वाईंट को ठीक करें। म्यूजिकल फाउण्टेन को देखने आने वाले नागरिकों को और बेहतर सुविधायें मिलें यह भी सुनिश्चित किया जाए। जिले के युवा अपना स्वयं का रोजगार स्थापित करें, इसके लिये स्मार्ट सिटी के माध्यम से स्टार्टअप ग्वालियर का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य को और व्यापक स्तर पर करें ताकि युवा आगे आकर अपना रोजगार स्थापित कर सकें।

एंटी माफिया अभियान के तहत 12 करोड़ रूपए बाजार मूल्य की शासकीय भूमि कराई मुक्त

बाउण्ड्रीवॉल, मुर्गी फार्म व दो दुकानों को किया ध्वस्त

ग्वालियर। एंटी माफिया अभियान के तहत जिले में की जा रही लगातार कार्रवाई की कड़ी में शुक्रवार को गिरवाई क्षेत्र में 12 करो? रूपए की शासकीय भूमि को मुक्त कराया गया। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के निर्देश पर एडीएम श्री इच्छित ग?पाले एवं एसडीएम श्री अनिल बनवारिया के नेतृत्व में हुई कार्रवाई।

एंटी माफिया अभियान के तहत 22 अप्रैल की शाम को गिरवाई क्षेत्र के सर्वे क्रमांक 1591 रकबा 0.209 हैक्टेयर पर बाउण्ड्रीवॉल, मुर्गी फार्म, दो दुकानें बनाकर अतिक्रामक आजाद खाँ पुत्र श्री सिद्दिकी खाँ निवासी गिरवाई से भूमि को मुक्त कराया गया।

अतिक्रमण से मुक्त कराने की कार्रवाई एडीएम श्री इच्छित ग?पाले, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री अनिल बनवारिया, सीएसपी श्री आत्माराम शर्मा, तहसीलदार गिरवाई श्रीमती शारदा पाठक के साथ पुलिस प्रशासन और नगर निगम के अधिकारियों की मौजूदगी में की गई। अतिक्रमण से मुक्त कराई गई शासकीय भूमि का बाजार मूल्य लगभग 12 करो? रूपए है।

थाना गोले का मन्दिर पुलिस की अवैध हथियार रखने वालों पर प्रभावी कार्यवाही

थाना गोले का मन्दिर पुलिस ने चैकिंग के दौरान अवैध हथियार बेचने के लिये आये दो बदमाशों को हथियारों सहित किया गिरफ्तार ऽ पकड़े गये दोनों बदमाशों से 04 देशी कट्टे व 04 जिंदा राउण्ड एवं एक पिस्टल मय जिंदा राउण्ड के की जप्त।

ग्वालियर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी,भापुसे के निर्देश पर ग्वालियर पुलिस द्वारा अवैध हथियार रखने वालों के विरूद्ध जिले में प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। उक्त कार्यवाही के दौरान दिनांक 21.04.2022 को अति0 पुलिस अधीक्षक शहर (पूर्व/अपराध) श्री राजेश डण्डौतिया* एवं नगर पुलिस अधीक्षक मुरार श्री रवेश तोमर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी गोले का मन्दिर द्वारा मय पुलिस बल के थाना क्षेत्र में चैकिंग की जा रही थी।

दिनांक 21.04.2022 को थाना प्रभारी गोले का मन्दिर निरी0 विनय शर्मा के नेतृत्व में पुलिस बल द्वारा नारायण विहार कालोनी में चैकिंग की जा रही थी। चैकिंग के दौरान दो संदिग्ध व्यक्ति हाथ में थैला लिये मण्डी गेट के पास खड़े दिखे, जिन्होने पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास किया। पुलिस बल द्वारा भाग रहे दोनों संदिग्ध बदमाशों को घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पकड़े गये दोनों बदमाशों ने अपने आप को मुरैना का रहने वाला बताया। पकड़े गये संदिग्धों के थैलों की तलाशी लेने पर एक के थैले से 02 देशी कट्टे 315 बोर तथा 03 जिंदा राउण्ड एवं 01 देशी पिस्टल मय जिंदा राउण्ड के बरामद की गई। दूसरे संदिग्ध के थैले की तलाशी लेने पर उसमें से 02 देशी कट्टे 315 बोर के तथा 01 जिंदा राउण्ड जप्त किया गया। पुलिस टीम द्वारा अवैध हथियार रखने के अपराध में उक्त दोनों बदमाशों पर थाना गोले का मन्दिर में अप0क्रं0 252/22 धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर उक्त बदमाशों को विधिवत गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार बदमाशों से अवैध हथियारों के संबध में विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

जप्त मशरूकाः

एक के थैले से 02 देशी कट्टे 315 बोर तथा 03 जिंदा राउण्ड एवं 01 देशी पिस्टल मय जिंदा राउण्ड के बरामद की गई। दूसरे संदिग्ध के थैले की तलाशी लेने पर उसमें से 02 देशी कट्टे 315 बोर के तथा 01 जिंदा राउण्ड जप्त किया गया।

सराहनीय भूमिकाः उक्त दोनों बदमाशों को मय अवैध हथियार के गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी गोले का मन्दिर निरीक्षक विनय शर्मा, उनि बजमोहन शर्मा, सउनि नरेश मौर्य, आरक्षक भानु सिकरवार, सत्येन्द्र राजावत, नीरज यादव, धर्मेन्द्र व चालक आर.तेजपाल की सराहनीय भूमिका रही।

निगमायुक्त श्री कन्याल को निरीक्षण में मिली गंदगी, वसूला जुर्माना

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल शहर को साफ-स्वच्छ बनाये रखने व शहर को स्वच्छता में प्रथम स्थान पर लाने के लिये दिन रात मेहनत कर रहे हैं। उनके साथ पूरा निगम अमला स्वच्छता के कार्य में लगा हुआ है। साथ ही आमजन से भी स्वच्छता बनाये रखने के लिये आग्रह कर रहे हैं। फिर भी कोई गंदगी करता पाया जाता है तो उनसे जुर्माने की कार्यवाही की जा रही है।

नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल सुबह सुबह सफाई व्यवस्था का जायजा लेने एक बार फिर स?को पर उतरे। इस दौरान आनंद नगर स्थित शराब की दुकान के बगल में नाले में गंदगी डालने पर दुकान संचालक के खिलाफ जुर्माना वसूलने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान श्याम वाटिका गोले का मंदिर के सामने गंदगी पाए जाने पर निर्देश दिए गार्डन पर जुर्माना किया जाए। निर्देश के पालन में एसआई श्री राकेश करोसिया एवं डब्ल्यूएचओ ने श्याम वाटिका से 5 हजार रूपये का जुर्माना वसूल किया। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त श्री कन्याल ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। स्वच्छता से संबंधित सभी कार्यों को प्राथमिकता से किया जाए। इसके साथ ही कहा शीघ्र ही स्वच्छता का द्वितीय चरण का सर्वे होगा। इसलिये नाले व नालियों की सफाई के साथ ही जल स्त्रोतों की सफाई व स्वच्छता का पूरा ख्याल रखा जाए।

इसके बाद निगमायुक्त श्री कन्याल ने सभी अधिकारियों के साथ जनकताल का निरीक्षण किया। जहां इन दिनों सफाई कार्य किया जा रहा है, वहां मुआयना किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सर्वेक्षण से पहले सभी तालों की सफाई हो जाए। इस अवसर पर उनके साथ अपर आयुक्त श्री अतेन्द्र गुर्जर सहित संबंधित सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वर्गीय श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्मृति कि 10 व्हीलचेयर क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

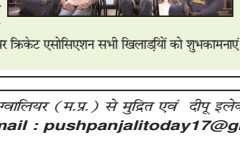

ग्वालियर। ग्वालियर के रूप सिंह स्टेडियम पर 27 मई से 31 मई 2022 के बीच किया जा रहा है। उक्त आयोजन के लिए आज ट्रॉफी का अनावरण करने के लिए ग्वालियर पीजीडीसीए के अध्यक्ष माननीय श्री प्रशांत मेहता जी समाज सेविका श्रीमती शगुन वैसे जी, भारतीय व्हीलचेयर क्रिकेट टीम तथा वर्तमान में कार्यपालन अधिकारी श्री अभय प्रताप सिंह जी, कप्तान श्री संजय सिंह जी आज उक्त अनावरण समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित हुए। इस अवसर पर मध्य प्रदेश भील चेयर क्रिकेट एसोसिएशन के संरक्षक तथा मजदूर सेवार्थ पाठशाला के संरक्षक श्री ओ पी दीक्षित, मध्य प्रदेश व्हीलचेयर क्रिकेट टीम के कप्तान श्री कबीर सिंह जी भदोरिया संस्थापक कोषाध्यक्ष श्री जनरल सिंह जी धाकड़ उप कप्तान श्री रिंकू गुर्जर भी उपस्थित थे। उक्त आयोजन का उद्देश्य दिव्यांगों को खेल के माध्यम से राष्ट्र का अविभाज्य अंग बनाना है। अपने उद्बोधन में माननीय श्री माताजी ने कहा कि ग्वालियर क्रिकेट एसोसिएशन सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देती है और सभी पक्षों से संपूर्ण मदद उपलब्ध करवाई जाएगी।

सरकारी गौचर की भूमि का इस्तेमाल गायों के संरक्षण के लिए हो: गौ प्रण

ग्वालियर। गौ सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्था गौप्रण ने सरकार से मांग की है कि मध्यप्रदेश में जो सरकारी भूमि गौचर के नाम पर है उस भूमि का इस्तेमाल सरकार द्वारा गायों को संरक्षण और उनको व्यवस्थित करने में किया जाना चाहिए। क्योंकि आज सरकारी गौचर की भूमि को भू माफियाओं द्वारा कब्जा कर उसका इस्तेमाल किया जा रहा है। जिससे सरकार को करोड़ों रुपये सालाना की क्षति हो रही है। इसका एक उदाहरण लेकि न अगर सरकार प्रयास करे और सरकारी गौचर की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराकर उस भूमि के लिए एक बोर्ड का गठन कर गायों के संरक्षण और उनके व्यवस्थापन को लेकर प्लान किया जाये तो सड़कों पर भटक रही गौमाता की देखरेख और उनके व्यवस्थापन की रूपरेखा बहुत ही व्यवस्थित तरीके से की जा सकती है। क्योंकि अभी पूरे प्रदेश ही नहीं बल्कि देश में गौचर की भूमि को अतिक्रमणकारियों द्वारा कब्जा कर उस पर खेती की जा रही है और उसका हितालाभ सरकारी खजाने की बजाय स्वयं के लिए किया जा रहा है जिससे सरकार कोई लाभ नहीं मिल रहा है। इसिलए गौप्रण संस्था ने मांग की है कि सरकारी गौचर की भूमि को गायों के संरक्षण और उनके व्यवस्थापन के लिए इस्तेमाल किया जाये। गौ प्रण के अध्यक्ष रामकुमार सिंह चौहान, सचिव विष्णु भदौरिया ने बताया कि सरकारी गौचर की भूमि को सरकार द्वारा गायों के लिए कानून बनाकर उसे गौवंश के हितलाभ के लिए इस्तेमाल किया जाये। इसे लेकर कलेक्टर, एसपी और मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों को संस्था द्वारा ज्ञापन देकर मांग की जाएगी कि सड़कों पर असहाय घूम रहे गौवंश के हित के लिए सरकार अवश्य सोचे।

कुलैथ के किसान ने गऊशाला को पट्टे की जमीन की फसल दान देने की घोषणा की

गाय सेवा में अपना सहयोग देने के लिए कुलैथ के एक किसान ने अपनी पट्टे की जमीन पर उगाई गई फसल को लाल टिपारा स्थित गौशाला में देने का फैसला किया है। किसान ने गौ प्रण संस्था को बताया कि मैं अपनी पट्टे की जमीन पर उगाई गई फसल का 60 फीसदी हिस्सा गऊशाला को दान करूंगा। मेरे गांव में सरकारी जमीन (गौचर की जमीन) लगभग 40 बीघा है लेकिन गांव वालों ने उस पर कब्जा किया हुआ है अगर सरकार चाहे तो गौचर की जमीन का इस्तेमाल गायों को संरक्षित और उनको व्यवस्थित करने में किया जा सकता है।

इनका कहना है

इस बावत जब संस्था के प्रतिनिधियों द्वारा ग्वालियर स्थित लाल टिपारा के संचालक संत ऋृषभ जी महाराज से चर्चा की तो उन्होंने संस्था के इस कदम को सराहनीय बताया और कहा कि आज गायों को संरक्षण की बहुत ज्यादा आवश्यकता है। सरकार सड़कों पर भटक रहे गौवंश के लिए कानून बनाये और उनके संरक्षण की ओर ध्यान दे तो गौवंश की सेवा में यह सराहनीय कदम होगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478